मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार,27 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद शुक्ल 4 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 354 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ आधी आबादी की डरावनी छवियां

कल्पना चावला की बायोपिक करना चाहती है कुब्रा सैत 6

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद अश्विन ने आईपीएल से भी संन्यास लिया

नई दिल्ली : दिग्गज क्रिकेटर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद आईपीएल से भी संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। अश्विन ने सोशल मीडिया के माध्यम से आईपीएल को अलविदा कहने की सूचना दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अश्विन ने लिखा, खास दिन और इसलिए एक खास शुरूआत। कहते हैं हर अंत की एक नई शुरूआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है। लेकिन, विभिन्न लीगों में खेलने की संभावनाएं आज से शुरू हो रही हैं। इतने सालों की शानदार यादों और रिश्तों के लिए सभी फ्रेंचाइजी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। आईपीएल और बीसीसीआई का विशेष तौर पर शुक्रिया। आगे जो भी है उसका आनंद लेने और उसका पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूं।

आईपीएल 2025 में अश्विन सीएसके का हिस्सा थे। टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। ऐसे में अगले सीजन में टीम बड़े बदलावों के साथ उतर सकती हैं। अश्विन के सोशल मीडिया पोस्ट से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह बेशक आईपीएल में खेलते हुए नहीं दिखेंगे, लेकिन दूसरी क्रिकेट लीग में खेलते हुए वह दिख सकते हैं। संभवतः वह देश के बाहर खेली जाने वाली टी20 लीग में खेलते दिख सकते हैं।

गौरतलब है कि बीसीसीआई भारत के अंतरराष्ट्रीय या घरेलू क्रिकेट से जुड़े किसी भी मौजूदा खिलाड़ी को विदेशी टी20 लीग में खेलने की छूट नहीं देता है। हालांकि, अब अश्विन संन्यास के बाद इन लीग में खेल सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की तरह अश्विन का आईपीएल करियर भी शानदार रहा है। 2008 से 2025 के बीच वह चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपर जाइंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे हैं। पंजाब किंग्स के वह कप्तान भी रहे हैं।

220 आईपीएल मैचों की 98 पारियों में 833 रन बनाने वाले अश्विन ने 187 विकेट लिए हैं। आईपीएल इतिहास के वह पांचवें सफलतम गेंदबाज हैं।

अश्विन ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। आर अश्विन का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बेहद यादगार रहा है। उनका नाम विश्व के श्रेष्ठतम ऑफ स्पिनर्स में शुमार किया जाता है। 2010 से 2024 के बीच 106 टेस्ट में 537 विकेट, 116 वनडे में 156 विकेट और 65 टी20 में 72 विकेट उनके नाम दर्ज हैं। टेस्ट क्रिकेट में अश्विन एक बल्लेबाज के रूप में भी सफल रहे हैं। 6 शतक और 14 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 3,503 रन बनाए हैं।

वैष्णो देवी रूट पर भूस्खलन से तबाही, 32 की मौत

आज भी भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता

जम्मू-कश्मीर : जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी धाम की तरफ जाने वाले रास्ते पर भारी बारिश से भूस्खलन हो गया। हादसे में 32 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है, जबकि करीब 20 लोगों के घायल होने की खबर है। अर्द्धकुंवारी के पास बुए भूस्खलन ने यात्रा मार्ग को प्रभावित कर दिया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। भूस्खलन वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर स्थित अर्द्धकुंवारी गुफा मंदिर में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित मंदिर मार्ग का बड़ा हिस्सा मलबे में ढेर हो गया है। आशंका है कि मलबे में और भी लोग दबे हो सकते हैं। सेना और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं।

संभाग में 2014 के बाद (11 साल) मंगलवार को फिर ऐसी जल तबाही देखने को मिली है। पिछले चार दिन से भारी बारिश से संभाग के लगभग सभी जिलों में जनजीवन पटरी से उतर गया है। चारों ओर भारी क्षति हुई है। जम्मू संभाग की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है।

जम्मू से रामबन में करीब 12 स्थानों पर भूस्खलन से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद है। चक्की पुल पठानकोट पर बाढ़ जैसी स्थिति से जम्मू, उधमपुर, कटड़ा आने वाली 18 ट्रेनें रद्द कर दी गईं। जम्मू से श्रीनगर जाने वाली दो उड़ानें भी रद्द करनी पड़ीं।

जम्मू में पुलों पर आवाजाही नियंत्रित की गई : जम्मू में भगवतीनगर में तवी नदी पर बने पुल के एक हिस्से के धंस जाने से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। शहर में तवी के तीन पुलों पर भी दोपहर बाद वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की गई। पूरे शहर में अफरातफरी का माहौल है। दूरसंचार सेवाएं ठप होने से लोग अपनों से संपर्क नहीं कर पाए। जम्मू पठानकोट मार्ग पर बड़े वाहनों की आवाजाही बंद है। किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ने से बड़ा द्राबशाला रतले पावर प्रोजेक्ट के पास लोहे का पुल बह गया। दिल्ली-कटड़ा एक्सप्रेसवे के पुल निर्माण को नुकसान पहुंचा है। कई जगह शटरिंग बह गई है। सांबा के विजयपुर में देविका पुल का हिस्सा धंस जाने से आवागमन ठप है।

नदियां उफान पर, नदी के किनारों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया : कठुआ के बनी, बिलावर में भारी बारिश के चलते रावी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नदी के पास से 11 परिवारों को हटाया गया। यहां पानी का स्तर सवा लाख क्यूसेक तक पहुंच गया है। उज्ज में उफान से निचले गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति रही। चिनाब, सेवा, तरनाह और रावी खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। सहार खड्ड और मग्गर खड्ड में बाढ़ के हालात हैं। उधमपुर में भी तवी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। जम्मू में तवी नदी के उफान पर आने से गुज्जरनगर, गोरखानगर, राजीवनगर, निक्की तवी व गोल तवी इलाके से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया।

जगह-जगह रास्ते बंद : रामनगर, चिनैनी, पंचैरी, मजालता के कई इलाकों में भूस्खलन, पहाड़ों से पत्थर गिरने, पस्सियां गिरने की वजह से लिंक मार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित है। बाड़ी ब्राह्मणा-परमंडल मार्ग बंद कर दिया गया है। सांबा के बसंतर से चींची देवी मंदिर के मध्य मार्ग को नुकसान पहुंचा है। भद्रवाह-डोडा मार्ग बंद है। सानाई भल्ला भद्रवाह में कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं।

भारी बारिश की चेतावनी, स्कूल-कॉलेज बंद, रात नौ बजे के बाद आवाजाही पर पाबंदी : मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने जम्मू संभाग में अगले चौबीस घंटे भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। संभाग में सभी सरकारी व निजी स्कूलों के साथ ही कॉलेज, कोचिंग, विश्वविद्यालय बुधवार को बंद रहेंगे। हाईकोर्ट की 28 अगस्त को होने वाली परीक्षा स्थगित कर दी गई है। मंडलायुक्त के आदेश में सभी गैर जरूरी कार्यालय बंद किए गए हैं। रात नौ बजे के बाद आम लोगों के आवागमन पर पाबंदी लगाई गई है।

सीएम ने प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने के दिए निर्देश : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लगातार बारिश के मद्देनजर जम्मू में बाढ़ से निपटने के उपायों की समीक्षा के लिए यहां एक बैठक की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, उन्होंने अधिकारियों को हाई अलर्ट बनाए रखने और सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वहीं अपनी पोस्ट में मुख्यमंत्री ने लिखा, मैं स्थिति पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखने के लिए श्रीनगर से जम्मू के लिए अगली उपलब्ध उड़ान से जाऊंगा।

वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं की मौत पर उपराज्यपाल ने जताया दुख : लगातार भारी बारिश और भूस्खलन में श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की मौत पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को तत्काल सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि जम्मू संभाग के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है। सभी जिलों में आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और जिला अधिकारियों को युद्धस्तर पर तैनात किया गया है। सभी से सुरक्षित रहने, परामर्शों का पालन करने और सभी आवश्यक सावधानियां बरतने का आग्रह किया जा रहा है।

मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं : पीएम मोदी ने वैष्णो देवी भूस्खलन पर दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली/कटरा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री माता वैष्णो देवी मंदिर रूट पर भूस्खलन के कारण मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही, पीएम मोदी ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन के कारण हुई जान-माल की हानि दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना करता हूं।

भारी बारिश के बीच श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रूट पर मंगलवार को भूस्खलन की घटना हुई। अर्धकुवारी के नजदीक पहाड़ी से गिरे पत्थरों और मलबे ने रूट को प्रभावित किया। हादसे में अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, भूस्खलन और भारी बारिश के बाद श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है।

एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसेन शाहेदी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि 30 लोगों की मौत होने और 15 लोगों के घायल होने की जानकारी है। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। स्थानीय प्रशासन के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें ऑपरेशन में जुटी हैं। मौसम में सुधार होने से कार्रवाई में तेजी आएगी और जल्द स्थिति सामान्य होगी। जम्मू में बाढ़ और भूस्खलन पर डीआईजी मोहसेन शाहेदी ने कहा कि दूरस्थ और सीमावर्ती इलाकों में भी भारी बाढ़ आई है, जिसके कारण एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। सीमावर्ती इलाकों में कई बचाव अभियान चलाए गए। एक जगह बीएसएफ के जवान फंसे हुए थे, जिन्हें वहां से सुरक्षित निकाला गया है। उन्होंने बताया कि अखनूर, सांबा और रियासी इलाके में लगातार ऑपरेशन चल रहा है। दिल्ली से एनडीआरएफ की 4 टीमों को भेजा गया है। 4 टीमें लुधियाना से रवाना की गईं, जिन्हें सांबा और जम्मू में तैनात किया जाएगा।

ट्रंप टैरिफ का असर, 0.4-0.5 प्रतिशत के बीच घट सकती है अमेरिकी अर्थव्यवस्था !

भारत पर ट्रंप का अतिरिक्त 25% टैरिफ लागू

नई दिल्ली : भारतीय उत्पादों पर बुधवार से 50 फीसदी उच्च अमेरिकी टैरिफ लागू हो गया है। इससे 48.2 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। ट्रंप टैरिफ की वजह से भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजारों में काफी महंगे हो जाएंगे, जिससे घरेलू निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के प्रतिस्पर्धियों की स्थिति कम टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजार में बेहतर होगी। इस चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार को बड़े स्तर पर प्रयास करने होंगे, अन्यथा न सिर्फ देश की जीडीपी पर असर पड़ेगा, बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने का लक्ष्य भी प्रभावित होगा। वोंटोबेल में ईएम इक्विटीज के सह-प्रमुख राफेल लुएशर का कहना है कि उच्च टैरिफ भारत की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। इससे अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव में आने वाली भारतीय कंपनियां भी निवेश संबंधी फैसले टाल सकती हैं, जिसका नकारात्मक असर नौकरियों पर पड़ सकता है। कपड़ा, जूते, आभूषण और ऑटो पार्ट्स उद्योगों में अगले 12 महीनों में 10-15 लाख नौकरियां जा सकती हैं। अकेले कपड़ा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा रोजगार प्रभावित होने की आशंका है। सूरत और मुंबई के रत्न-आभूषण उद्योग में भी एक लाख से ज्यादा नौकरियां जाने का खतरा है।

टैरिफ से कई सेक्टर होंगे प्रभावितः बड़े प्रयास की दरकार : भारत अमेरिका को 10.3 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करता है। उच्च टैरिफ की वजह से भारतीय परिधान अमेरिकी बाजार में बांग्लादेश और वियतनाम (इन पर 20 फीसद टैरिफ) के मुकाबले महंगे हो जाएंगे। इससे टेक्सटाइल/परिधान निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाएगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा, तिरुपुर, नोएडा और सूरत के कपड़ा विनिमार्ताओं ने उत्पादन रोक दिया है। यह क्षेत्र वियतनाम और बांग्लादेश के कम लागत वाले प्रतिद्वंद्वियों के सामने पिछड़ रहा है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा, देश की निर्यात अर्थव्यवस्था में यह उद्योग एक प्रमुख योगदानकर्ता है।

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से व्यापारिक साझेदार देशों पर लगाए गए टैरिफ के कारण महंगाई बढ़ सकती है, जिस वजह से यूएस की अर्थव्यवस्था 0.4-0.5 प्रतिशत के बीच घट सकती है।

अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ बुधवार से लागू हो गए हैं। इसे मिलाकर भारतीय निर्यात पर यूएस टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका में महंगाई दर पूरे 2026 में 2 प्रतिशत के ऊपर रह सकती है। इसकी वजह टैरिफ के कारण आपूर्ति में व्यवधान और एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव होना है।

रिपोर्ट में कहा गया, अमेरिका में महंगाई के नए दबाव के संकेत दिखने लगे हैं, जो हाल ही में लगाए गए टैरिफ और कमजोर डॉलर के कारण खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे आयात-संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ रही है।

एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा, जिससे महंगाई का दबाव बढ़ेगा और विकास धीमा होगा। इसमें आगे कहा गया है, हमारा मानना ??है कि अमेरिकी टैरिफ से अमेरिकी जीडीपी पर 40-50 आधार अंकों (0.4-0.5 प्रतिशत) का असर पड़ सकता है और इनपुट लागत में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

अमेरिका के जैक्सन होल में फेड के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा था कि हम बढ़ती कीमतों और कमजोर रोजगार बाजार में जोखिमों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कीमतों पर उच्च टैरिफ का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

जुलाई में अमेरिका के थोक मूल्यों में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तीन वर्षों में सबसे तेज वृद्धि थी। इसका कारण टैरिफ युद्ध के परिणामस्वरूप लागत में इजाफा होना था। उत्पादक मूल्य सूचकांक में साल-दर-साल 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सेवाओं, प्रसंस्कृत वस्तुओं और फर्नीचर व परिधान जैसे टैरिफ केंद्रित आयातों की कीमतों में तेज वृद्धि देखी गई।

अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि जब तक टैरिफ वापस नहीं लिए जाते, अमेरिका में परिवारों को अपने बजट पर और अधिक दबाव का सामना करना पड़ेगा।

भविष्य के युद्ध तकनीक और कूटनीति का मिश्रण होंगे : राजनाथ सिंह

इंदौर : मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के महू में स्थित आर्मी वार कॉलेज में युद्ध, युद्धकला और युद्ध संचालन पर दो दिवसीय विशेष 'रण संवाद-2025' त्रि-सेवा सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने युद्ध के बदलते पैटर्न पर बात की और बताया कि भविष्य के युद्ध तकनीक और कूटनीति का मिश्रण होंगे।

आर्मी वॉर कॉलेज, महू में आयोजित 'रण संवाद' त्रि-सेवा सेमिनार कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ प्रसिद्ध रक्षा विशेषज्ञ, रक्षा उद्योग के प्रमुख और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पेशेवर शामिल हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य के युद्ध केवल हथियारों की लड़ाई नहीं होंगे, बल्कि तकनीक, खुफिया जानकारी, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का मिला-जुला रूप होंगे।

उन्होंने बताया, आज का युग जटिल और बहु-क्षेत्रीय युद्धों से परिभाषित है, जहां युद्ध की कोई निश्चित व्यवस्था या कठोर सिद्धांत नहीं है। यह अपनी तरह का पहला सेमिनार है, जिसमें युद्ध और युद्ध कौशल पर तकनीक के प्रभाव पर चर्चा हो रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत कभी युद्ध की शुरूआत करने वाला देश नहीं रहा और न ही उसने किसी के खिलाफ आक्रामकता दिखाई है। हालांकि, वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अगर कोई भारत को चुनौती देता है, तो देश को सख्त जवाब देना जरूरी हो जाता है। हमारी मंशा शांतिपूर्ण है, लेकिन हमारी ताकत कमजोर नहीं। रक्षा मंत्री ने तकनीकी प्रगति और रणनीतिक कूटनीति के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने सशस्त्र बलों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने की बात कही। बता दें कि इस सेमिनार में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी मौजूद हैं। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को बढ़ावा देना और भविष्य की चुनौतियों और रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है।

न्यूज ब्रीफ

प्लस 2 उच्च माध्यमिक विद्यालय सोनवर्षा में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

भोजपुर : जिले के पिरो अनुमंडल मुख्यालय अन्तर्गत स्थित प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय सोनवर्षा चरपोखरी में आज हरितालिका तीज व्रत को लेकर विद्यालय के सभी छात्राओं के बीच मेंहदी कला उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के सभी वर्गों के छात्राओं ने चढ़ बढ़कर उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

अंग्रेजी अध्यापक प्रकाश कुमार यादव के मार्गदर्शन में तथा गणित शिक्षिका कुमारी रौशनी की देखरेख में सभी छात्राओं के द्वारा शानदार तरीके से और अपने हुनर को कलात्मक ढंग से एक दूसरे के हाथों में मेंहदी लगाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार भूषण जी और प्रभारी प्रधानाध्यापक रिजवान अली इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए बच्चो और शिक्षकों को भी प्रोत्साहित किए। छात्राओं के साथ साथ विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका प्रकाश विद्यार्थी जी, और मैडम रौशनी जी भी ने अपने हाथों में मेंहदी लगाई। सभी छात्राओं अमृता, रानी प्रिया, प्रमिला, प्रियांशु, लालसा,आरती, सीता ,रिया, लाखों, पलक, ,प्रियंका आदि ने इस प्रतियोगिता में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया।

साथ ही साथ निर्णायक मण्डल में नामित शिक्षक गण प्रकाश और रौशनी जी ने कार्यक्रम के निर्धारित मानक मापदण्ड के अनुसार बच्चो के बीच हुई मेहंदी प्रतियोगिता में चयनित छात्राओं को प्रथम स्थान अमृता कुमारी, अंशु कुमारी,द्वितीय स्थान रानी कुमारी, बबली कुमारी तृतीय स्थान प्रिया कुमारी और प्रियांशु एवं चतुर्थ स्थान सलोनी लाखों कुमारी और रिया सीता आदि को विद्यार्थियों को प्रकाश जी और रौशनी जी के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया ।

विद्यालय प्रधानाध्यापक अखिलेश जी ने कहा मेंहदी रचाई कला उत्सव बहुत पहले से ही हमारे समाज में चलती आ रही है। यह परंपरा महिलाओं के लिए या साज श्रृंगार के लिए सदा खास रहा है सदियों की यह ट्रेडिशन आज वर्तमान में भी देखी जा सकती हैं। प्रभारी रिजवान अली जी ने कहा की यह कला आज व्यवसायिक रूप धारण कर चुका हैं।इस कला का प्रयोग कर बहुत लोग अपनी आजीविका भी चला रहे हैं। और खासकर इस कला महोत्सव का जिक्र करते हुए प्रकाश कुमार यादव और कुमारी रौशनी जी को इस मेहंदी प्रतियोगिता कार्यक्रम को आयोजित करने और इसे सफल बनाने के लिए दोनों लोगों ने साथ ही साथ बच्चों ने भी काफी प्रशंसा की। और उन्हें आगे भी नवाचार शिक्षापरक कार्यक्रम करने के लिए प्रोत्साहित किए।इस प्रकार यह कार्यक्रम बहुत ही हर्षोल्लास के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय परिवार के बीच मनाया गया।। बच्चो के छुपी प्रतिभा को निखारा गया। बच्चों के उत्साह को बढ़ाते हुए उनके मन मस्तिष्क में छुपे कलात्मक ज्ञान को प्रदर्शित किया गया ।

किसान मोर्चा के भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने सिमरिया विधायक से की मुलाकात

चतरा : भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के कार्यसमिति सदस्य सुमन कुमार सिंह ने रांची स्थित आवास पर सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार उज्ज्वल से औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर श्री सिंह ने विधायक को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने विधायक कुमार उज्ज्वल को क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया और कई ज्वलंत मुद्दों पर विचार विमर्श किया।

वन विभाग की लापरवाही से चार दिनों तक बाधित रहा आवागमन

चतरा : लावालौंग प्रखंड के रिमी पंचायत के कोटारी गांव स्थित बारीदोहर के पास शुक्रवार की देर शाम भारी बारिश के दौरान एक विशालकाय पेड़ सड़क पर गिर पड़ा।पेड़ गिरने से कोटारी सहित आसपास के गांवों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।ग्रामीणों ने बताया कि घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई,लेकिन चार दिनों तक कोई भी वनकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा।ग्रामीणों ने विभाग की इस उदासीनता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।लोगों का कहना है कि जब पेड़ सड़क पर गिरा है तो उसे हटाना वन विभाग की जिम्मेदारी है।फिर भी विभाग के कर्मचारी चार दिनों तक कहां गायब रहे।ग्रामीणों का आरोप है कि वनों की सुरक्षा करने वाले कर्मी ही अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़े हुए हैं।जंगलों में लगातार कटाई जारी है और कुछ दलाल लोग इससे लाभ कमा रहे हैं।आवागमन बाधित होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।अंततः मुखिया रिमी श्रीमती सुगी देवी और ग्रामीणों की पहल पर पेड़ को हटाया गया और सड़क पर आवाजाही दोबारा शुरू हो सकी।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि वन विभाग भविष्य में ऐसी घटनाओं पर तत्परता नहीं दिखाता तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

ग्रील गेट तोड़ कर लाखों रूपए नगद व जेवरात की चोरी

चतरा : लावालौंग थाना क्षेत्र के मंधनियां पंचायत स्थित हुटरू गांव में गेट ग्रील व ताला तोड़कर दो घरों में चोरी कर ली गई है।ज्ञात हो कि सोमवार की देर रात अज्ञात चोरों ने थाना मुख्यालय से करीब 500 मीटर की दूरी पर स्थित मनोज प्रसाद केसरी और परदेसी भुईयां के घर को निशाना बनाया।चोरों ने ताला तोड़कर मनोज प्रसाद केसरी के घर से करीब एक लाख रुपये नकद और दो लाख रुपये के आभूषण उड़ा लिए।घटना के समय पूरा परिवार वैष्णो देवी दर्शन के लिए बाहर गया हुआ था।वहीं परदेसी भुईयां के घर से खाने-पीने का सामान और थोड़ी बहुत नकदी की चोरी हुई है। मनोज के भाई बजरंगी प्रसाद केसरी ने बताया कि घर खाली होने का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित परिवार ने चोरी के मामले को लेकर थाना में आवेदन देने की बात कही है।गौरतलब है कि पुलिस के अनुसार कुछ ही दिन पहले थाना क्षेत्र के लेंबोडीह बिशुनपुर गांव में अपराधियों ने दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया था।लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है।इस संबंध में थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा का कहना है कि चोरी की घटना को लेकर अब तक कोई आवेदन थाना में प्राप्त नहीं हुआ है।इधर, कई ग्रामीणों का आरोप है कि लोग थाने में आवेदन लेकर चक्कर लगाते रहते हैं,लेकिन न तो पुलिस मुकदमा दर्ज करती है और न ही किसी तरह की कोई कार्रवाई होती है।ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर आम जनता न्याय के लिए करे तो क्या करे।

खूंटी पुलिस ने 36 लाख रुपये के डोडा चूर्ण के साथ वैन पकड़ी, चालक फरार

संवाददाता

खूंटी : जिला पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी का एक बड़ा मामला उजागर किया है। पुलिस ने सोमवार देर रात एक मारूति वैन से 242 किलोग्राम डोडा चूर्ण बरामद किया, जिसका बाजार मूल्य लगभग 36 लाख 30 हजार रुपये आंका गया है। हालांकि, मौके का फायदा उठाकर वाहन का चालक फरार होने में सफल रहा। इस कार्रवाई की शुरूआत पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो को प्राप्त एक गुप्त सूचना से हुई। सूचना में बताया गया था कि मादक पदार्थों के तस्कर एक छोटे वाहन के जरिए डोडा चूर्ण की ढुलाई कर रहे हैं। इस सूचना की पुष्टि पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) वरुण रजक के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सोयको थाना क्षेत्र के मारंगहदा मोड़ के पास पहुंचकर संदिग्ध वैन (रजिस्ट्रेशन नंबर इफ01अल-2122) पर छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस को वाहन के अंदर 12 बोरों में भरा भारी मात्रा में डोडा चूर्ण मिला। कुल वजन 242 किलोग्राम पाया गया। मौके की नाजुकता और अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन चालक भागने में कामयाब रहा। इस मामले में सोयको थाना में मंगलवार को कांड संख्या 25/2025 दर्ज करते हुए नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्स्टेंस एक्ट (एनडीपीएस एक्ट), 1985 की धारा 15(सी)/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह धारा मादक पदार्थों की तस्करी और उसके रखरखाव से संबंधित है। पुलिस तस्करी में शामिल चालक और अन्य अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है। इस सफल ऑपरेशन में एसडीपीओ वरुण रजक के अलावा, सोयको थाना प्रभारी प्रभात रंजन पाण्डेय, हवलदार प्रदीप संगा, सुभीत कुजूर और आरक्षी हेमंत कुमार व तालकेश्वर राम की अहम भूमिका रही। पुलिस का मानना है कि यह कार्रवाई जिले में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने की दिशा में एक बड़ा झटका है और भविष्य में इस तरह के और भी कार्रवाई जारी रहेंगी।

हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ हरतालिका तीज

महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर पति की लंबी उम्र की कामना की

संवाददाता

चतरा : पूरे जिले में मंगलवार को हरितालिका तीज बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक परिधानों, सोलह श्रृंगार और मेहंदी से सजी-धजी नजर आईं। मंदिरों और घरों में विशेष सजावट की गई।जगह-जगह शिव-पार्वती की प्रतिमा स्थापित कर सामूहिक पूजा और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की तथा अखंड सुहाग और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना की।महिलाओं ने तीज के गीत गाए और मंगलाचरण करते हुए शिव-पार्वती विवाह की

कथा सुनी। तीज व्रत पर महिलाओं ने परंपरागत रूप से चारों पहर की पूजा बड़े ही भक्ति भाव और श्रद्धा के साथ संपन्न की।इस पर्व का पौराणिक आधार माता पार्वती और भगवान शिव के दिव्य मिलन से जुड़ा है। ऐसा माना जाता है कि माता पार्वती ने 108 बार जन्म लिया था और कठोर तप कर शिव जी को पति रूप में प्राप्त किया। हरियाली तीज का व्रत उसी तपस्या और समर्पण की स्मृति में रखा जाता है। तीज का शाब्दिक अर्थ है ₹तीसरा₹ और यह हिंदू कैलेंडर में पूर्णिमा या अमावस्या के बाद का तीसरा दिन होता है, जो मानसून के स्वागत और देवी पार्वती व भगवान शिव के मिलन का उत्सव है। यह मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति के उत्तम स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मनाया जाता है, जिसमें व्रत, गीत, नृत्य और मेहंदी लगाना शामिल है।साथ ही तीज एक पवित्र और उत्सवपूर्ण त्योहार है जो मानसून के आगमन पर देवी-देवताओं के प्रति भक्ति, प्रेम और वैवाहिक सद्भाव का प्रतीक है।

जिला स्तरीय उन्मुखीकरण बैठक-सह-कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में आज ₹आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण बैठक-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि ₹आदि कर्मयोगी अभियान₹ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत कर्मयोगियों को प्रशिक्षित कर जनजातीय क्षेत्रों में विकास पहलों को बढ़ावा देना और शासन को अधिक प्रभावी बनाना है। जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से सक्रिय रूप से प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने एवं कार्यशाला में दिए गए जानकारी को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने का आह्वान किया। इस अभियान के तहत

जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो आगे चलकर प्रखंड स्तर पर ब्लॉक लेवल ट्रेनर को प्रशिक्षित करेंगे और जनजातीय समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उपायुक्त ने कहा कि सामुहिक सहभागिता से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। प्रखंडों में नियमित बैठक आदि के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, कल्याण, समाज कल्याण समेत लाइन डिपार्टमेंट से जुड़े समस्याओं एवं योजनाओं और जरुरतों को चिन्हित करें तथा कार्ययोजना के तहत क्षेत्र का सर्वांगीण विकास में संकल्पित भाव से अपना योगदान दें।

बैठक-सह-कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों को ₹आदि कर्मयोगी अभियान₹ योजना की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि यह योजना जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (ऊअ-खत्र्र्रअ) के अंतर्गत एक प्रमुख घटक के रूप में चलाई जा रही है। इसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में अंतिम छोर तक सेवा वितरण में तेजी लाना, स्थानीय संस्थानों को सशक्त बनाना तथा सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्रत्येक योग्य व्यक्ति तक पहुँचाना है। खूंटी जिले के सभी 6 प्रखंड अंतर्गत चयनित जनजातीय गांव में इसके सफल क्रियान्वयन हेतु विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी गई, साथ हीं कार्यप्रणाली एवं समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में उपयोगी मार्गदर्शन एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वहीं कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों को निष्ठापूर्वक एवं पूरी ईमानदारी से कार्य करने हेतु शपथ भी दिलाई गई।

इस बैठक-सह-कार्यशाला में उप विकास आयुक्त श्री आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आइटीडीए श्री अलोक शिकारी कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री प्रमोद राम, सिविल सर्जन डॉ एन मांझी समेत विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली के जांच दल ने मुरहू के बीपीएचयू भवन में गंभीर खामियां पाई

संवाददाता

मुरहू : दिल्ली से आए एक उच्चस्तरीय जांच दल ने यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में निर्मित बीपीएचयू (बेसिक पैकेज हेल्थ यूनिट) भवन की जांच की है, जिसमें निर्माण कार्य में कई गंभीर त्रुटियां और खामियां पाई गई हैं। जांच दल ने इस निर्माण को पैसे की बबार्दी करार देते हुए नाराजगी जताई है। इस जांच में उप प्रमुख अरुण साबू मुरहू ने भी जांच दल का साथ दिया। उन्होंने कहा कि एनआरपी (निर्माण एजेंसी) द्वारा बनाए गए इस भवन की गुणवत्ता पूरी तरह से खराब है। उन्होंने एक गंभीर आरोप यह लगाया कि निर्माण करने वाले अभियंता ने समय पास करने का काम किया है। उन्होंने बताया कि भवन का कोई भी त्रि-आयामी

(3ऊ) नक्शा नहीं दिया गया था, जिसके अभाव में उचित जांच प्रक्रिया भी बाधित हुई।

जांच में जो प्रमुख खामियां सामने आई हैं, उनमें शामिल हैं: भवन में कमजोर गुणवत्ता के तारों का इस्तेमाल किया गया है। जल निकासी की व्यवस्था दोषपूर्ण पाई गई। खिड़कियों और दरवाजों की गुणवत्ता अत्यंत निम्न स्तर की है और वे ठीक से फिट भी नहीं हैं। साथ ही भवन की दीवारों और नींव में दरारें आ रही हैं, जो संरचनात्मक कमजोरी का संकेत हैं। इस गंभीर समस्या की जांच के लिए एक विशेषज्ञ इंजीनियर को बुलाने की आवश्यकता बताई गई है। भवन की हालत देखकर जांच दल को ऐसा लगा कि यह कोई नया भवन नहीं, बल्कि लगभग 7 साल पुरानी इमारत है। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. आशुतोष तिग्गा ने कहा कि महज एक साल पुराने भवन में इतनी खामियां हैं, जो इस बारिश के मौसम में स्पष्ट रूप से उजागर हो गई हैं। उन्होंने चिंता जताई कि दोषपूर्ण वायरिंग और भवन की खराब स्थिति के कारण अस्पताल में लगी महंगी जांच मशीनों को भी नुकसान होने का खतरा है। दिल्ली की टीम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि स्वास्थ्य विभाग में इस तरह के निर्माण कार्यों की कड़ाई से जांच होनी चाहिए। जांच के बाद यह टीम जन आरोग्य मंदिर, बहमनी और बुदिमा कॉयनगसार गांव का भी निरीक्षण करने गई। अधिकारियों ने बताया कि जांच में पाई गई सभी त्रुटियों का निष्पादन (सुधार) यथाशीघ्र किया जाएगा।

सांसद ने मृतक के स्वजनों से की मुलाकात

आर्थिक सहयोग के साथ-साथ हर संभव मदद करने का दिया आश्वासन

संवाददाता

चतरा : चतरा के लोकप्रिय भाजपा सांसद कालीचरण सिंह मंगलवार को गिद्धौर प्रखंड के रामनगर सियारी कटघरा गांव पहुंचे। जहां नदी में बह जाने से हुई सत्येंद्र दांगी व पत्नी रीना देवी की मौत पर दुख व्यक्त किया। सांसद ने मृतक के स्वजनों से भेंट कर आर्थिक के साथ-साथ हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। वहीं बारिश से हुई नुकसान का भी जायजा लिया। मौके पर उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव एवं अंचल अधिकारी अनंत शयनम विश्वकर्मा को आपदा राहत के तहत किसानों को क्षतिपूर्ति की राशि भुगतान करने को कहा। जबकि प्रखंड के विभिन्न गांव में सड़क,पुल पुलिया के बह जाने के साथ साथ ध्वस्त हो जाने की सूची बनाकर जिला व सांसद कार्यालय भेजने का निर्देश दिया। प्राथमिकता के तौर पर जपुआ से बलरी,कस्तूरबा विद्यालय से कौलेश्वरी शिव मंदिर मोड़ तक, लुब्धिया से भुरकुंडा सीमाना तक,रोहमर गांव से सिंदूरब्बे सीमाना तक, मध्य विद्यालय पहरा से केंदुआ मोड तक की सड़क व खलारी गांव जाने वाली दो पुलिया को सूची को प्राथमिकता के तौर पर शामिल करने का निर्देश दिया। जबकि वर्षा में ध्वस्त हुए मकानों की सूची बनाने के साथ-साथ पीड़ित परिवारों को आपदा राहत के तहत सहयोग करने को कहा। वहीं दूसरी ओर सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र कुमार दांगी ने रांची में इलाजरत बैजू महतो एवं दुर्घटना में घायल अवध किशोर दांगी से भेंट कर जल्द स्वास्थ्य होने की कामना किया।मौके पर लोक सभा क्षेत्र सांसद प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह,युवा मंडल अध्यक्ष बबलू कुमार साव के साथ साथ कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तस्कर अजय दास सहित दो गिरफ्तार, एक स्कॉर्पियों जब्त

चतरा : जिले के वशिष्ठ नगर जोरी पुलिस ने छापामारी अभियान चला कर 3172 बोतल अंग्रेजी शराब व एक स्कॉर्पियों (जेएच 10 बीएम 1046) को जब्त किया है. साथ ही दो तस्करो को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार तस्करो में वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के घंघरी निवासी अजय दास व रांची जिला चान्हो थाना क्षेत्र के तरंगा गांव निवासी मो सद्दाम उर्फ सद्दाम हुसैन शामिल है।सद्दाम वर्तमान में चतरा सदर थाना क्षेत्र के लाईन मुहल्ला व नगवां में रहता है। वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि घंघरी में आयुष्मान आरोग्यम मंदिर के समीप व हंटरगंज थाना क्षेत्र के कांगुरूआ गांव में अजय दास द्वारा भारी मात्रा में अवैध शराब भंडारित किया गया है।सूचना के आलोक में छापामारी टीम का गठन किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान घंघरी से 1008 बोतल शराब के साथ अजय को गिरफ्तार किया गया।उसकी निशानदेही पर हंटरगंज थाना के सहयोग से कांगरूआ से 68 पेटी में बंद 1564 बोतल अवैध शराब जब्त किया गया। इस क्रम में कांगुरूआ जंगल से एक स्कॉर्पियों आती हुई दिखाई दी। स्कॉर्पियों को रोक कर तलाशी ली गयी। तलाशी के क्रम में 25 कार्टून में बंद 600 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त किया गया। साथ ही चालक को भी गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में वशिष्ठ नगर थाना कांड संख्या 56/25 के तहत बीएनएस व उत्पाद अधिनियम का मामला दर्ज कर दोनो को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार अजय दास चर्चित शराब तस्कर है। उसके द्वारा लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है। छापामारी टीम में वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी के अलावा हंटरगंज के पुलिस अवर निरीक्षक नितेश प्रसाद सिंह, वशिष्ठ नगर थाना के एएसआई रामपति कुम्हार व कई जवान शामिल थे।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए आईडीए 2025 के अंतर्गत द्वितीय जिला समन्वय समिति की बैठक संपन्न

चतरा : उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत द्वितीय जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में जिले में चल रहे आईडीए कार्यक्रम की 10 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक की प्रगति की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में कार्यक्रम के दौरान पाए गए गैप्स पर चर्चा करते हुए उपविकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मॉप-अप राउंड के माध्यम से 26 अगस्त से 1 सितम्बर 2025 तक शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। हंटरगंज सीएचसी में कार्यों की सराहना की गई और शेष लाभार्थियों को दवा सेवन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। टंडवा सीएचसी में कुछ गांवों में पूर्ववर्ती दवा वितरण पाए जाने पर सीएचसी प्रभारी को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। जिला भीबीडी कार्यालय को सभी सीएचसी की अचीवमेंट रिपोर्ट उपायुक्त एवं उपविकास आयुक्त को साझा करने के लिए कहा गया, ताकि जिन सीएचसी में कोई कमी या समस्या पाई जाए वहां त्वरित कार्रवाई की जा सके। बैठक में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी ध्यान दिया गया और कार्यक्रम के विरोधी क्षेत्रों में समुदाय के साथ संवाद कर दवा सेवन के लिए घोषणा करवाई गई।उप विकास आयुक्त ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में दवा प्रशासन समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। डीएसडब्ल्यूओ को भी कहा गया कि जिन सीएचसी अंतर्गत सेविका द्वारा दवा प्रशासक के रूप में सहयोग नहीं किया जा रहा, उस पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। हंटरगंज सीएचसी के डाढ़ी गांव में दवा वितरण में अनियमितता पाए जाने पर दवा प्रशासक को शो-कॉज किया गया और नई टीम की नियुक्ति की गई।

रांची के नेवरी चौक में लहराएगा 100 फीट ऊंचा तिरंगा

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के कांके प्रखंड अंतर्गत नेवरी चौक गोलंबर में 100 फीट ऊंचा तिरंगा शान से लहराएगा। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने इसकी घोषणा की है। आगामी एक माह के भीतर नेवरी चौक गोलंबर में 100 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया जायेगा। साथ ही चौक के चारों ओर आकर्षक लाइटिंग भी की जायेगी, जिससे रिंग रोड स्थित इस नेवरी चौक गोलंबर की खूबसूरती और भी अधिक निखर जायेगी।

मुखिया ने जताया आभार : 100 फीट ऊंचा तिरंगा फहराने के इस ऐतिहासिक फैसले पर नेवरी पंचायत के मुखिया साधो उरांव ने कहा यह तिरंगा ध्वज हमारी राष्ट्रीय एकता, अखंडता और बलिदान की जीवंत प्रतीक की छवि है। यह हमें सदैव याद दिलाता है कि विविधताओं से भरे इस राष्ट्र की आत्मा एक ही है ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व। उन्होंने इस कार्य के लिए पूरे पंचायत की ओर से मंत्री संजय सेठ का आभार व्यक्त किया।

भारत में दो जगहों पर लहराएगा 100 फीट ऊंचा तिरंगा : मुखिया साधो उरांव ने बताया कि भारत की धरती पर मंत्री संजय सेठ के द्वारा दो जगहों पर भव्य तिरंगे की स्थापना की जा रही है, जिसमें से पहला जम्मू-कश्मीर के सियाचिन चोटी पर और दूसरा रांची के नेवरी चौक में 100 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया जायेगा। उन्होंने बताया कि समाज सेवी नरेंद्र सिंह ने मंत्री के समक्ष नेवरी चौक में तिरंगा झंडा लगाने का अनुरोध किया गया था, जिसे मंत्री ने स्वीकृति दे दी है।

बालू माफिया और अपराधी बेलगाम प्रशासन मौन : धनपति महतो

संवाददाता

सिल्ली : नरेंद्र मोदी विचार मंच युवा शाखा के केंद्रीय अध्यक्ष सह सिल्ली विस के पूर्व प्रत्याशी समाजसेवी धनपति महतो ने बंता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि क्षेत्र में बालू माफिया और अपराधी बेलगाम है। एनजीटी का रोक के बाबजूद थाना क्षेत्र के नदियों से बालू के खनन व ढूलाई बेरोकटोक जारी है। सफेद बालू का काला खेल में बालू माफिया, पुलिस प्रशासन तथा पक्ष-विपक्ष के नेता सभी मिलें हुए है, बालू को बेच कर

सभी मालामाल हो रहे है। दिन दहाड़े चोरी और लूट की घटना लगातर घट रही है,सरकार में नौकरशाही हावी है सरकार का होना ना होना बराबर है। श्री महतो ने आगे कहा कि सभी राजनीतिक पार्टी के जनप्रतिनिधियों को स्थायी जनमुद्दों से कोई सरोकार नही है। सिर्फ लोगों को गुमराह करने के लिए एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते हैं, और सोशल मीडिया एवं अखबारों के सुर्खियों में छाए रहने के लिए तरह-तरह की नौटंकी करते हैं। इसलिए जनता को जागरूक होना होगा और चुनाव में निस्वार्थ, ईमानदार तथा गरीबों के दुख:सुख में हमेशा साथ देने वाले वाले प्रत्याशी को ही चुनना होगा।

रूडसेट संस्थान में प्रशिक्षण गतिविधियों को लेकर दौरा

संवाददाता

304

मुरी: केनरा बैंक सर्कल ऑफिस, रांची से सुजीत कुमार साहू (जेनरल मैनेजर) रुडसेट संस्थान का दौरा किया और अपने दौरे के दौरान उन्होंने संस्थान की विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम,गतिविधियों का अवलोकन किया तथा विशेष रूप से टू-व्हीलर मैकेनिक प्रशिक्षणार्थियों एवं पूर्व प्रशिक्षुओं से संवाद किया। संवाद के दौरान श्री साहू ने प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थी से उनकी प्रशिक्षण से संबंधित एवं व्यवहारिक अभ्यास और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पूर्व प्रशिक्षुओं से भी बातचीत की और उनसे प्रशिक्षण के बाद आत्मनिर्भर बनने की दिशा में किए गए प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। श्री साहू ने कहा कि आज के समय में स्वरोजगार और कौशल विकास ही आत्मनिर्भरता की कुंजी है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को भरोसा दिलाया कि केनरा बैंक और रुडसेट संस्थान सदैव उनके साथ खड़े हैं और युवाओं को आर्थिक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से यह भी कहा कि टू-व्हीलर मैकेनिक जैसे तकनीकी प्रशिक्षण से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों दोनों में रोजगार और उद्यमिता के बड़े अवसर मौजूद हैं। यदि युवा लगन और मेहनत के साथ काम करें तो वे न केवल खुद को आत्मनिर्भर बना सकते हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकते है। रूडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार और कर्मचारी ने श्री सुजीत कुमार साहू का स्वागत किया और प्रशिक्षण गतिविधियों से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे संस्थान समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार के लिए तैयार कर रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षुओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और भविष्य की योजनाओं को लेकर चर्चा की। प्रशिक्षणार्थी ने केनरा बैंक एवं रुडसेट संस्थान का आभार जताया कि उनके सहयोग से उन्हें एक नई राह और पहचान मिली है। मौके पर रूडसेट संस्थान के वरिष्ट संकाय अनिल कुमार, जगदीशचंद्र महतो, दशरथ कुमार ,महेश रूहीदास अष्टमी सिंह,ममता महतो, शांति प्रिया, सुनील मुंडा उपस्थित थे।

मथुरा महतो ने अपने पिता को दी श्रद्धांजलि

रांची : झारखंड विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक पूर्व मंत्री मथुरा प्रसाद महतो ने मंगलवार कोअपने पिता ऋषिकेश महतो की 91वीं जयंती मनाई। दीनदयाल नगर स्थित आवास पर आयोजित इस जयंती समारोह में सबसे पहले उन्होंने अपने पिता के तस्वीर पर श्रद्धा के फूल अर्पित किया और शीश झुकाकर नमन किया। तत्पश्चात जयंती समारोह में उन्होंने कहा कि पिताजी भले ही हमारे बीच नहीं है मगर उनके दिए गए संस्कार हमारी ताकत व संबल है। आज बतौर विधायक टुंडी विधानसभा क्षेत्र सहित राज्य भर के लोगों की सेवा अपने पिताजी से मिले सदुणों व अच्छे आचरण की वजह कर रहा हूं।

सड़क हादसा मे युवक की मौत

बुढ़मू : सड़क दुर्घटना मे बुढ़मू रांजी टोला निवासी ललन यादव (22)वर्ष की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बुढ़मू रॉंजीटोला निवासी ललन यादव पिता धनेश्वर यादव अहले सुबह मांडर की ओर मोटरसाइकिल से जाने के क्रम मे हातमा के पास रोड मे खड़ी गिट्टी लदा ट्रैक्टर मे टकराने से गंभीर रूप से चोट लगी और वही मौके पर ही मौत हो गयी। मामला मांडर थाना क्षेत्र का है। दुर्घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची और मांडर थाना की पुलिस शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया। वहीं वाहन पर कार्रवाई की जा रही है।

ईस्ट टेक संगोष्ठी 2025 आत्मनिर्भर से संपूर्णता पर संगोष्ठी का आयोजन

रांची : केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि ईस्ट टेक 2025 के आयोजन से झारखंड की तकदीर बदलने का प्रयास है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी ईस्ट टेक 2025 में सहयोग करने की बात कही है। झारखंड की एक अच्छी इमेज देश में बनाने का एक मौका है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हमें यह एक मौका दिया है कि झारखंड के उद्यमियों, स्टार्टअप अपने कार्यक्षमता के बल पर आत्मनिर्भर भारत बनाने अपना योगदान दे सके। रक्षा सेक्टर में कई नये और बड़े काम हो रहे है। लेकिन अभी भी कई मामलों में पीछे है, यही कारण है कि रांची में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। श्री सेठ मंगलवार को दीपाटोली स्थित केरकेट्टा ऑडिटोरियम में ईस्ट टेक संगोष्ठी 2025 आत्मनिर्भर से संपूर्णत में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इसका आयोजन एसआइडीएम और सीआइआइ झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने ईस्ट टेक 2025 के ह्लोगोंह्व का भी अनावरण किया गया। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का संकल्प आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर रक्षा मंत्रालय। इसी सपने को साकार करने के लिए झारखंड के उद्यमियों को एक मौका मिल रहा है कि वे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान दे सके। ईस्ट टेक के माध्यम से एक मौका मिला है, इसका लाभ जरूर उठाएं। रक्षा सेक्टर में पूरी संभावनाएं और मांग है। श्री सेठ ने कहा कि अभी हम 92 देशों को रक्षा सामाग्री को एक्पोर्ट कर रहे है। अभी तक 23 हजार करोड़ से अधिक रुपए का एक्सपोर्ट किया जा चुका है। अब इसका लक्ष्य 50 हजार करोड़ रुपए के एक्सपोर्ट करने का तय किया गया है। इय तय लक्ष्य को पूरा करने में झारखंड के उद्यमी सहयोग करें। संगोष्ठी में ईस्टर्न कमांडेड मेजर जेनरल मदनराज पांडे ने कहा कि ईस्ट टेक 2025 के आयोजन से रक्षा सेक्टर को बहुत लाभ मिलने वाला है। रक्षा सेक्टर की जरूरतों को पुरा करने में यह एक्सपो मददगार साबित होगा। मेजर जेनरल सज्जन सिंह मान ने कहा कि ईस्ट टेक के माध्यम के सेना और इंडस्ट्री के बीच एक सहयोग बढ़ेगा। रक्षा सेक्टर में नयी तकनीक, उपकरण और इनोवेशन की जरूरत है।

नालसा योजना संवाद व जागृति पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

रांची : झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में नालसा द्वारा संचालित योजना -ह्यसंवादह्व एवं ह्यजागृतिह्व पर मांडर प्रखंड के महुआजरी पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी सहायक शिवानी सिंह, पीएलवी दानीश अंसारी, कालिंदर गोप, सोनी कुमारी, अफताब अंसारी, तालिब अंसारी, शामी अंसारी, राजा वर्मा एवं पंचायत भवन के कर्मचारी उपस्थित थे।

शिवानी सिंह ने संविधान के अनुच्छेद-14,15 और अनुच्छेद 21 के बारे में लोगों को जागरूक किया तथा संविधान के अनुच्छेद 39ए के तहत सभी नागरिकों को विधिक सहायता दिये जाने के संबंध में गरीब, बेसहारा, जरूरतमंद लोगों को जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि वैसे व्यक्ति जो अपने बातों को न्यायालय में नहीं रख पाते हैं या न्याय पाने से वंचित रह जाते है, उनके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार हमेशा सेवारत है।

सुश्री सिंह ने नालसा के द्वारा संचालित योजना घर-घर न्याय की जागृति, जो नालसा जागृति योजना - 2025 तथा नालसा संवाद योजना - 2025 के दोनों योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। इसी के साथ ही नालसा योजना संवाद एवं जागृति पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन का शुभारंभ बारीडीह पंचायत ओरमांझी से प्रारंभ किया गया। उक्त दोनों योजनाओं के तहत डालसा द्वारा पीएलवी के कार्यों के बारे में ग्रामीणों को बताया गया और उनकी समस्याओं का निदान किस प्रकार किया जाना है तथा सरकार द्वारा दी जानेवाली कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने पर चर्चा की गयी। ह्यजागृतिह्व योजना के तहत बाल विवाह, डायन प्रथा, दहेज प्रथा, बाल श्रम, नशा, अनाथ बच्चों से संबंधित, स्पॉन्सरसीप योजना, सड़क दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा, असंगठित मजदूर के सुरक्षा से संबंधित विधिक जानकारी दी गयी। ज्ञात हो कि शिवानी सिंह के द्वारा संवाद योजना के तहत आदिवासियों के अधिकारों और संरक्षण से संबंधित कानून के बारे में तथा दिव्यांगजनों के अधिकार, मानव तस्करी एवं रोकथाम, मानसिक रोगी, लोक अदालत, पॉक्सो कानून एवं नालसा टॉल फ्री नम्बर - 15100 के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया।

आदिवासी कल्याण आयुक्त से मिला मंच का सदस्य

रांची : अबुआ अधिकार मंच का प्रतिनिधि मंडल अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में झारखंड आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी से मुलाकात की।

एंजेल नर्सिंग कॉलेज छात्रवृत्ति की समस्याओं अवगत कराया। मौके पर अभिषेक शुक्ला ने कहा कि कहा की सत्र 21ह्न25 के छात्र छात्राओं का सत्र 23ह्न 24 एवं 24 ह्न25 का छात्रवृत्ति भुगतान अब तक नहीं हुआ है। शुक्ला ने कल्याण आयुक्त से कहा के जब इसकी मान्यता 2023 मे रद हुई तो सत्र 21ह्न 25 के छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति को क्यों रोक दिया गया, इस मामले को गंभीरता से लेते हुए झारखंड राज्य आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी ने तुरंत सिमडेगा डीसी को इस पर संज्ञान लेने को कहा। प्रत्यानिधि मंडल मे मुख्य रूप से अभिषेक शुक्ला, अंकेश कुमार, पप्पू रजक, अस्मिता एक्का, निक्की करकेट्टा, विजेता करकेट्टा, नीलम सोरेंग, प्रशता तिर्की, नीना स्वेता, अंशु, शशि निकिता, सोरेंग आिद शामिल थे।

चतरा में बनेगा इंडस्ट्रियल पार्क, सोलर पार्क एवं मंडल कारा

भूमि चिन्हित करने के लिए उपायुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

चतरा : उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने मंगलवार को जिले में प्रस्तावित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए भूमि चिन्हित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, प्रभारी अंचल निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, राजस्व उप निरीक्षक पंकज कुमार दुबे सहित सदर अंचल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। उपायुक्त सबसे पहले सदर प्रखंड के चंगेर गांव पहुँचीं जहाँ उन्होंने इंडस्ट्रियल पार्क के लिए लगभग 25 एकड़ के क्षेत्र को चिन्हित करने हेतु स्थल का अवलोकन किया। इसके बाद वे किशुनपुर पहुँचीं और वहाँ सोलर पार्क के लिए लगभग 25 एकड़ क्षेत्र से ज्यादा के चिन्हांकन के उद्देश्य से स्थल का निरीक्षण किया। अंत में पारीडीह जाकर मंडल कारा के लिए लगभग 25 एकड़ से ज्यादा

क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि इन योजनाओं का स्वरूप अभी प्रस्तावित है और इसका निरीक्षण केवल भूमि चिन्हित करने तथा आगे की प्रक्रियाओं के लिए प्रारम्भिक आकलन करने के लिए था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं नियम सम्मत तरीके से की जाए तथा हर आवश्यक औपचारिकता समयबद्धता के साथ पूरी की जाए ताकि आगे की योजना-प्रक्रिया में किसी प्रकार का विवाद न उत्पन्न हो।उपायुक्त ने कहा कि यदि इन प्रस्तावित परियोजनाओं को लागू किया गया तो इससे जिले में औद्योगिक गतिविधियाँ सक्रिय होंगी, ऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि संभव होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बल मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि स्थानिक आवश्यकताओं, पर्यावरणीय पहलुओं और सामाजिक हितों का समुचित ध्यान रखते हुए ही आगे की कार्यवाही की जाए।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **एनआईटी संख्या:** ई़ल/जेपी /42/2025-26, **कार्य का नाम:** JP Div. -Rewiring of Service building over Jaipur Division, **अनुमानित लागत:** 13970850.34, **बयाना राशि:** 219900/-, **निविदा खोलने की तिथि:** 12.09.25, **एनआईटी संख्या:** ई़ल/जेपी /41/2025-26, **कार्य का नाम:** Electrical work in connection with Construction of New Three storey building for CMS Office, medical store and CHI office at central hospital., **अनुमानित लागत:** 516920.19, **बयाना राशि:** 10300/-, **निविदा खोलने की तिथि:** 12.09.25, **एनआईटी संख्या:** ई़ल/जेपी /05आर/2025-26, **कार्य का नाम:** JP Div.-Electrical work in connection with Augmentation of community hall at JP, FL, BKI and SIKR station, **अनुमानित लागत:** 1764787.65, **बयाना राशि:** 35300/-, **निविदा खोलने की तिथि:** 16.09.25, **एनआईटी संख्या:** ई़ल/जेपी/35/2025-26, **कार्य का नाम:** Electrical work in connection with Providing Gang Tool Room cum rest room at KUT and GADJ, **अनुमानित लागत:** 619026.12, **बयाना राशि:** 12400/-, **निविदा खोलने की तिथि:** 23.09.25 , **एनआईटी संख्या:** ई़ल/जेपी/29/2025-26, **कार्य का नाम:** Electrical work in connection with Construction of Dog canal at Rewari station, **अनुमानित लागत:** 497425.69, **बयाना राशि:** 10000/-, **निविदा खोलने की तिथि:** 26.09.25, **एनआईटी संख्या:** ई़ल/जेपी /02आर/202 5-26, **कार्य का नाम:** Electrical work in connection with Replacement of 10 Units type-II quarter at NMK-03, BDHL-03 & DKBJ-04 station in lieu of abandoned quarter for traffic staff, **अनुमानित लागत:** 930791.13, **बयाना राशि:** 18600/-, **निविदा खोलने की तिथि:** 30.09.25, **एनआईटी संख्या:** ई़ल/जेपी /19आर तृतीय/2024-25, **कार्य का नाम:** Electrical work in connection with provision of S&T office cum store at Lalsot in DO-GGC section, **अनुमानित लागत:** 772794.15, **बयाना राशि:** 15500/-, **निविदा खोलने की तिथि:** 19.09.25, **नोटः ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजेतक, **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद, **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in

1053-PS/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

अखंड सौभाग्य का व्रत है हरतालिका

कुंवारी कन्याएं भी करती हैं हरतालिका तीज : रूबी सिंह

संवाददाता

रांची : भाजपा नेता सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की धर्मपत्नी समाजसेवी रूबी सिंह रांची, रातु क्षेत्र के रिंग रोड सिमलिया स्थित अपने आसपास की सुहागिन महिलाएं के साथ हरतालिका तीज पूरे विधिह्न विधान के साथ पूजा अर्चना कर व्रत किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम गणेश जी की पूजा करते हुए भगवान शिव को बेलपत्र, भांग धतूरा, चंदन, और जनेऊ अर्पित किए, वहीं माता पार्वती को श्रृंगार सामग्री सिंदूर, चूड़ियां, बिंदी, महावर, इत्र और कंघी समर्पित कर पूजा अर्चना की।

मौके पर समाजसेवी रूबी सिंह ने कहा कि यह तीज त्योहार हमें ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं, भगवान शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप अत्यंत पूजनीय हैं। जिसमें शिवह्न शक्ति की समानता का दर्शन होता है। वहीं उपस्थित महिलाएं को हरतालिका तीज व्रत की महत्ता को बताया। कहा कि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला यह हरतालिका तीज, भारतीय संस्कृति और आस्था का वह पर्व है, जो केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं करता, बल्कि नारी शक्ति, आत्मबल और समर्पण की गहन अभिव्यक्ति भी है। कहा कि हरतालिका तीज को सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है। विवाहित महिलाएं इस दिन निर्जला उपवास रखती हैं और अपने पति

की दीघार्यु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन की समृद्धि की कामना करती हैं। कहा कि अविवाहित कन्याएं भी यह व्रत को करती हैं और सुंदर श्रृंगार से सुशोभित होती हैं, ताकि उन्हें योग्य वर की प्राप्ति हो। कहा कि इस व्रत का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ा है। पौराणिक कथा के अनुसार माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में देह त्यागने के बाद पर्वतराज हिमवान के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया। माता पार्वती का बचपन से हीं हृदय भगवान शिव को पति रूप में पाने की चाह से भरा हुआ था। किंतु पार्वती के पिता हिमवान जिन्हें हिमनरेश की उपाधि दी गई थी, अपनी पुत्री का विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे। नारद मुनि के परामर्श पर जब यह प्रस्ताव सामने आया तो हिमवान सहर्ष से तैयार हो गए। यह समाचार पाकर पार्वती को गहन पीड़ा हुई पीड़ा हुआ। अपनी इच्छाएं और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए वे अपनी सखी के साथ वन की ओर चली गई। जंगल में पार्वती ने मिट्टी से शिवलिंग बनाकर कठोर तपस्या आरंभ कर दी। उनका यह संकल्प और तप असाधारण था। तपस्या के इस अदम्य बल से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। भाद्रपद शुक्ल तृतीया के दिन हीं दोनों का पावन विवाह हुआ। तभी से यह तिथि हरतालिका तीज के रूप में मनाई जाने लगी। इस व्रत का नाम भी इसी कथा से जुड़ा है। यानि हरि का अर्थ है हरण करना और ₹तालिका₹ का अर्थ है सखीह्न क्योंकि पार्वती की सखी ने उनका हरण कर उन्हें वन में ले जाकर अनचाहे विवाह से बचाया था। तभी से यह व्रत हरतालिका तीज के रूप में मनाया जाने लगा।

शक्ति ने सदैव किया शिव के गुणों का वरण,।अर्थात रूबी सिंह कहती हैं, हरतालिका तीज से होगा संताप का हरण..!

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, राँची।

सं0 संख्या–5/प्रशि0(प्रशि0)–01/2025–1207 राँची, दिनांक:–26.08.2025

महत्वपूर्ण सूचना

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में विभिन्न व्यवसायों में नामांकन हेतु 8वीं एवं 10वीं कक्षा में प्राप्तांक आधारित अंतिम मेधा–सूचियों के आधार पर आयोजित की जाने वाली ऑनलाईन SPOT ROUND काउन्सिलिंग से संबंधित अति महत्वपूर्ण सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, राँची के अन्तर्गत संचालित सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (सरकारी/निजी/PPP/CSR) में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में विभिन्न व्यवसायों में नामांकन के लिए SPOT ROUND काउन्सिलिंग हेतु काउन्सिलिंग एवं नामांकन का कार्यक्रम निम्नवत् है:–

Time Schedule for SPOT Round of online Counselling & Admission

Sl.No.	Activity	Date	
		Date	To
1.	SPOT Round online Admission (Seat Allotment and Admission)	29.08.2025	30.08.2025

2. दिनांक–29.08.2025 से 30.08.2025 तक सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में SPOT ROUND online Admission लिया जाएगा। SPOT Round online Admission के दौरान संबंधित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के विभिन्न व्यवसायों में रिक्त सीटों पर First Come First Serve Basis पर व्यवसाय/सीट का आवंटन कर नामांकन लिया जाएगा। SPOT Round में Admission Module में निबंधित अभ्यर्थियों का ही औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा नामांकन लिया जाएगा।
3. 10वीं पास/8वीं पास वाले अभ्यर्थी जिनका 10वीं /8वीं में समान अंक प्राप्त हुए हैं, ऐसी स्थिति में पोर्टल में जो पहले निबंधित हुआ है, को प्राथमिकता दी जायेगी।
4. शेष अन्य सूचनाएँ/निर्देश निदेशालय पत्रांक–638, दिनांक–07.05.2025 एवं पत्रांक–639, दिनांक– 07.05.2025 के अनुसार यथावत् रहेगी।

ह0/–
संयुक्त निदेशक नियोजन(मु0)
निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण,
झारखण्ड, राँची।

PR 360547 (Labour Employment and Traning) 25-26 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

नारी सशक्तिकरण : वैश्विक भारत की नई तस्वीर

भारत के सामने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य है। किंतु यह लक्ष्य तभी पूरा किया जा सकता है जब देश की आधी आबादी, यानी महिलाएं, बराबरी की हिस्सेदार बनेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कार्यबल में 70 प्रतिशत महिला भागीदारी का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। यह केवल आर्थिक नीतियों का हिस्सा नहीं बल्कि भारत की प्राचीन भारतीय संस?कृति के अनुरूप हो रहा सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव है, जिसमें कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार ही नहीं कार्यस?थल पर भी समान रूप से सम?मान प्राप?त रहा। वर्तमान में भी वही दृश्य उभर रहा है, जिसमें कि महिलाएं केवल परिवार और समाज की पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहीं। वे हर कार्य में बराबर से सहभागी हैं। वे देश के आर्थिक भविष्य को दिशा दे रही हैं। ग्रामीण भारत की उद्यमी महिलाएं हों या कॉर्पोरेट बोर्डरूम में नेतृत्व करने वाली महिलाएं, हर स्तर पर उनकी भूमिका निर्णायक होती जा रही है। हाल ही में एक सर्वे आया है, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी जो यह दर्शा रहा है कि भारत में महिला कार्यबल भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह पीएलएफएस क?या है, यहां इसको भी समझ लेते हैं- भारत के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा अप्रैल 2017 में शुरू किया गया एक सांख्यिकीय सर्वेक्षण है, जिसका उद्देश्य पहले की तुलना में अधिक आवृत्ति के साथ श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और बेरोजगारी दर (यूआर) जैसे प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों को मापना है । प्रारंभ में, इसके त्रैमासिक बुलेटिनों में केवल शहरी क्षेत्रों को ही शामिल किया जाता था, लेकिन सर्वेक्षण को नया रूप दिया गया है, और अब इसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए मासिक अनुमान प्रदान करना है, साथ ही पूरे देश के लिए सामान्य और वर्तमान स्थिति को कवर करने वाली वार्षिक रिपोर्ट भी प्रदान करना है। अब इसके आए अभी के आंकड़े बता रहे हैं कि 2017-18 में महिला रोजगार दर केवल 22 प्रतिशत थी, जो 2023-24 में बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। इसी अवधि में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत पर आ गई। यह बताता है कि रोजगार के अवसर बढ़े हैं और खासकर महिलाओं को इन अवसरों में भागीदारी का मौका मिला है। ग्रामीण भारत में यह परिवर्तन और भी गहरा है। यहां महिला रोजगार में 96 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 43 प्रतिशत रही है। ग्रामीण भारत की यह छलांग स?थापित करती है कि आर्थिक सशक्तिकरण केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि गाँव की मिट्टी से भी एक नई क्रांति जन्म ले रही है।

महिलाओं की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी शिक्षा और कौशल विकास से संभव हुई है। स्नातक महिलाओं की रोजगार क्षमता 2013 में 42 प्रतिशत थी, जो 2024 में बढ़कर 47.53 प्रतिशत हो गई। इसी तरह स्नातकोत्तर स्तर पर महिलाओं की रोजगार क्षमता 34.5 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुँच गई है। इस मामले में एक रिपोर्ट ह्लइंडिया स्किल्स 2025ह्व भी देखी जा सकती है, जो यह भविष्यवाणी करती है कि वर्तमान 2025 में लगभग 55 प्रतिशत भारतीय स्नातक वैश्विक स्तर पर रोजगार योग्य होंगे। इसके साथ ही ईपीएफओ पेरोल डेटा से पता चलता है कि पिछले सात वर्षों में 1.56 करोड़ महिलाएँ संगठित क्षेत्र के औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बनी हैं। दूसरी ओर, ई-श्रम पोर्टल पर 16.69 करोड़ से अधिक असंगठित महिला श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है। यह पंजीकरण उन्हें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ता है और एक बड़ी असुरक्षित श्रमिक आबादी को मुख्यधारा में लाने का प्रयास है। भारत सरकार ने महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सैकड़ों योजनाएं चलाई हैं। इनके परिणामस्वरूप महिला स्व-रोजगार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। 2017-18 में जहाँ महिलाओं का स्व-रोजगार अनुपात 51.9 प्रतिशत था, वहीं 2023-24 में यह 67.4 प्रतिशत तक पहुंच गया। पिछले दशक में जेंडर बजट में 429 प्रतिशत की वृद्धि–0.85 लाख करोड़ रुपये से 4.49 लाख करोड़ रुपये तक इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण है। यह दिखाता है कि नीति-निर्माण में महिलाओं को अब केवल लाभार्थी नहीं बल्कि विकास की धुरी माना जा रहा है। भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है और इसमें महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है। आज 1.54 लाख से अधिक डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप्स में से 74,410 में कम से कम एक महिला निदेशक है। यह संख्या केवल आंकड़ा नहीं बल्कि समाज में महिलाओं की सोच, साहस और नेतृत्व क्षमता की बढ़ती मान्यता का प्रतीक है। नमो ड्रोन दीदी, दीनदयाल अंत्योदय योजना और लखपति दीदी जैसी पहलें ग्रामीण भारत में उद्यमिता को नई ऊर्जा दे रही हैं। दो करोड़ महिलाएँ ह्लखपति दीदीह्व बनकर न केवल अपनी जिंदगी बदल रही हैं बल्कि पूरे परिवार और समाज को आर्थिक मजबूती दे रही हैं। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की भूमिका निर्णायक रही है। कुल दिए गए मुद्रा ऋणों में 68 प्रतिशत ऋण 14.72 लाख करोड़ रुपये मूल्य के महिलाओं को मिले हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वालों में 44 प्रतिशत महिलाएं लाभार्थी हैं। ये योजनाएं महिलाओं को केवल छोटे व्यवसाय शुरू करने का अवसर ही नहीं देतीं बल्कि उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास भी प्रदान करती हैं। महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (टरएए) अब भारत की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन चुके हैं। वित्त वर्ष 2021 से 2023 तक ऐसे उद्यमों ने 89 लाख से अधिक नई नौकरियाँ पैदा कीं। 2010-11 में महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी 17.4 प्रतिशत थी, जो 2023-24 में बढ़कर 26.2 प्रतिशत हो गई। उनकी संख्या भी लगभग दोगुनी होकर 1 करोड़ से बढ़कर 1.92 करोड़ हो गई है। वास?तव में यह बदलाव दशार्ता है कि अब महिलाएँ केवल नौकरी खोजने वाली नहीं बल्कि नौकरी देने वाली भी बन रही हैं। यह तस्वीर उत्साहजनक है, लेकिन कुछ चुनौतियां भी हैं। कार्यस्थलों पर वेतन असमानता और पदोन्नति में भेदभाव की समस्या अब भी कई बार सामने आती है। महिलाओं के लिए सुरक्षित और अनुकूल कार्य वातावरण सुनिश्चित करना अभी भी बड़ी चुनौती है। इसी प्रकार की स?थानीय स?तर पर कुछ चुनौतियां भी हो सकती हैं। आज जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठने की बात करता है, तब नारी शक्ति इसका सबसे बड़ा इंजन है, यह ध?यान में आता है। शिक्षा, कौशल, उद्यमिता और अवसर, ये वह चार स्तंभ हैं जिन पर महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत का सपना टिका है। हम उम?मीद करें कि भारत जब 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब देश का सबसे बड़ा उत्सव केवल आर्थिक प्रगति नहीं होगा, बल्कि यह होगा कि महिलाएँ बराबरी से उस प्रगति की धुरी बनी होंगी।

आधी आबादी की डरावनी छवियां

सदियों से स्त्रियां साहित्य के माध्यम से समाज की आत्मा को संवेदनाओं और करुणा से सींचती रही हैं। महादेवी वर्मा, अमृता प्रीतम, कृष्णा सोबती, मैत्रेयी पुष्पा जैसी लेखिकाएं न केवल साहित्य रचती थीं बल्कि स्त्री की अस्मिता और समाज की चेतना का प्रतीक भी थीं। लेकिन आज का समय उन्हें पढ़ने से अधिक उन्हें स्कोट्सस्र बनाकर इंस्टाग्राम स्टोरी पर सजाने में व्यस्त है।आज की पीढ़ी का बड़ा हिस्सा विजुअल कंटेंट में उलझा है। वीडियो और तस्वीरों की त्वरित खपत ने किताबों की धीमी, गहरी और आत्ममंथन कराने वाली दुनिया को पीछे धकेल दिया है। स्त्रियां, जो कभी किताबों में आत्मा का सहारा खोजती थीं, अब सोशल मीडिया पर ग्लैमराइज्ड आइडेंटिटी गढ़ने में मजबूर हो रही हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में जब हर हाथ में स्मार्टफोन और हर मन में लाइक्स व फॉलोअर्स की भूख पल रही है, तब साहित्य और किताबें पढ़ने वाली स्त्रियों का अस्तित्व कहीं पीछे छूटता जा रहा है। यह दौर इंस्टाग्राम रील्स, टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स और डिजिटल मनोरंजन का है। यहां अर्धनग्न होकर मुजरा करने वाली छवियां सेकंडों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं, पर वहीं गंभीर साहित्य, कविता या आलोचना पढ़ने वाली स्त्रियों की आवाज मानो कहीं दबकर रह जाती है। यह केवल एक सामाजिक विडंबना नहीं बल्कि सांस्कृतिक संकट भी है। सदियों से स्त्रियां साहित्य के माध्यम से समाज की आत्मा को संवेदनाओं और करुणा से सींचती रही हैं। महादेवी वर्मा, अमृता प्रीतम, कृष्णा सोबती, मैत्रेयी पुष्पा जैसी लेखिकाएं न केवल साहित्य रचती थीं बल्कि स्त्री की अस्मिता और समाज की चेतना का प्रतीक भी थीं। लेकिन आज का समय उन्हें पढ़ने से अधिक उन्हें स्कोट्सस्र बनाकर इंस्टाग्राम स्टोरी पर सजाने में व्यस्त है।आज की पीढ़ी का बड़ा हिस्सा विजुअल कंटेंट में उलझा है। वीडियो और तस्वीरों की त्वरित खपत ने किताबों की धीमी, गहरी और आत्ममंथन कराने वाली दुनिया को पीछे धकेल दिया है। स्त्रियां, जो कभी किताबों में आत्मा का सहारा खोजती थीं, अब सोशल मीडिया पर ग्लैमराइज्ड आइडेंटिटी गढ़ने में मजबूर हो रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया स्त्रियों को मंच देता है, पर यह मंच अकसर उनके शरीर को अधिक महत्व देता है, विचारों को नहीं। यही कारण है कि इंस्टाग्राम पर एक नृत्य या अर्धनग्न अभिनय लाखों लाइक्स पा लेता है, लेकिन किसी स्त्री द्वारा किया गया साहित्यिक विश्लेषण सिमट कर रह जाता है। साहित्य पढ़ने और रचने वाली स्त्रियां समाज में गहरी छाप छोड़ती थीं। वे अपने लिखे से व्यवस्था को चुनौती देती थीं, रिश्तों की नई परिभाषा गढ़ती थीं और स्त्री-पुरुष समानता की नई जमीन तैयार करती थीं। लेकिन आज, प्राथमिकताएं बदल गई हैं। आधुनिक स्त्री अक्सर अपने को साबित करने के लिए सोशल मीडिया की दौड़ में शामिल हो जाती है। यहां सुंदरता और आकर्षण अधिक बिकते हैं, विचार और भावनाएं कम। यह विडंबना है कि जिस साहित्य ने स्त्रियों को आवाज दी, वही साहित्य अब उनकी आवाज की प्रतीक्षा कर रहा है। महादेवी वर्मा की कविताएं स्त्री की करुणा, पीड़ा और सौंदर्य का ऐसा प्रतिरूप थीं, जिन्हें पढ़कर आत्मा झंकृत हो जाती थी। वे लिखती थीं-ह्वमैं नीर भरी दुख की बदली...ह्व उनकी कविताओं में स्त्री की आत्मा बोलती थी, पर आज वही आत्मा इंस्टाग्राम फिल्टर और बैकग्राउंड म्यूजिक के शोर में दबती जा रही है। जहां पहले स्त्रियां समाज से कहती थीं कि ह्वमेरी आवाज सुनोह्व, आज वे मजबूर हैं यह कहने पर कि ह्वमेरे डांस को लाइक करोह्व यही सबसे बड़ा सांस्कृतिक पतन है। हालांकि यह कहना पूरी तरह उचित नहीं होगा कि साहित्य पढ़ने वाली स्त्रियां गायब हो गईं। वे अब भी मौजूद हैं, पर उनका दायरा सीमित हो गया है। पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों और छोटे-छोटे साहित्यिक मंचों पर अब भी स्त्रियां साहित्य पढ़ रही हैं, लिख रही हैं और चर्चा कर रही हैं। फर्क बस इतना है कि उनका स्वर उतना बुलंद नहीं है जितना सोशल मीडिया के ग्लैमरस कंटेंट का है। असल में समस्या प्लेटफॉर्म की भी है। इंस्टाग्राम का एल्गोरिद्म ही ऐसा है जो मनोरंजन और तड़क-भड़क को प्राथमिकता देता है। गंभीर साहित्य या लंबी पढ़ाई वहां ट्रेंडिंग नहीं बन पाती।

साहित्य पढ़ने का अर्थ है-अपने भीतर झांकना, दूसरों की पीड़ा को समझना, और आत्मा को गहराई से महसूस करना। जब समाज साहित्य से दूर होता है, तो वह अपनी संवेदनशीलता भी खो देता है। स्त्रियों की करुणा और कोमलता ही समाज को संतुलित रखती हैं। लेकिन जब यही स्त्रियां केवल बॉडी शो तक सीमित हो जाएं और आत्मा की गहराई को दरकिनार कर दें, तो समाज के संवेदनशील होने की उम्मीद भी घट जाती है। इस स्थिति से निकलने के लिए जरूरी है कि परिवार और शिक्षा व्यवस्था किताबों के प्रति प्रेम जगाए। घर और स्कूलों में बच्चों, खासकर बेटियों को किताबें पढ़ने की आदत डालनी होगी। साहित्यकारों और प्रकाशकों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर साहित्य को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करें। सरकार और समाज को साहित्य पढ़ने और लिखने वाली स्त्रियों को ज्यादा मंच देना चाहिए, ताकि उनकी आवाज दबे नहीं। स्त्रियों को आपस में साहित्यिक समूह और बुक क्लब बनाने चाहिए, जो एक-दूसरे को प्रेरित करें। इतिहास गवाह है कि जब भी समाज अंधकार में डूबा, साहित्य ने ही राह दिखाई। और उस साहित्य में स्त्रियों की भूमिका हमेशा निर्णायक रही। चाहे वह मीरा हों, चाहे महादेवी, या फिर समकालीन स्त्रियां- उन्होंने अपने शब्दों से समाज की दिशा तय की। आज भी यदि स्त्रियां किताबों को गले लगाएंगी, तो आने वाली पीढ़ी को सिर्फ स्फॉलोअर्सस्र और स्लाइक्सस्र नहीं, बल्कि जीवन की गहरी समझ भी मिलेगी।

आज का निष्कर्ष यही है कि इंस्टाग्राम और डिजिटल मीडिया का दौर है। यहां आकर्षण और तमाशा सबसे ज्यादा बिकते हैं। लेकिन समाज की आत्मा को बचाए रखने के लिए जरूरी है कि स्त्रियां फिर से साहित्य की ओर लौटें। क्योंकि इंस्टाग्राम का शोर कुछ समय बाद थम जाएगा पर साहित्य के शब्द अमर रहेंगे। साहित्य पढ़ने वाली स्त्रियां कभी गुम नहीं होतीं-वे केवल समाज की लापरवाही के कारण धुंधली दिखने लगती हैं। जब भी कोई किताब खोली जाएगी, वे फिर से जीवित हो उठेंगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सक्षम नेतृत्व का संदेश है गणेशोत्सव

हरतालिका तीज पर भगवान शिव और माता पार्वती की विधि–विधान से पूजा करने से सुहागिनों को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है और कन्याओं के विवाह में आ रही समस्याएं दूर होती हैं। इसके साथ ही इस व्रत के प्रभाव से अच्छा वर भी मिलता है। हरतालिका तीज एक पावन और भावनात्मक पर्व है, जो भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक माना जाता है।

रमेश शर्मा

सनातन परंपरा में गणपति पूजन सबसे पहले होता है। शिवाजी महाराज से लेकर लोकमान्य तिलक तक सभी ने सामाजिक जाग्रति के लिये गणेशोत्सव को ही सबसे बड़ा माध्यम बनाया था। तब ये जिज्ञासा स्वाभाविक है कि आखिर गणपति जी का पूजन ही सर्व प्रथम क्यों होता है। इसका समाधान भगवान गणेश के जन्म से उनके गणनायक बनने के प्रसंग में है। गणेशोत्सव प्रतिवर्ष भाद्रपद माह शुक्लपक्ष चतुर्थी को आता है। इस वर्ष यह तिथि 27 अगस्त को पड़ रही है। वे गणनायक भी हैं और विघ्नविनाशक भी। उनके इन दोनों नामों में दो संदेश हैं। एक नेतृत्वताओं के लिये कि समाज की सभी बाधाओं को दूर कर स्वच्छ वातावरण बनायें। दूसरा प्रत्येक नागरिक के लिये कि वे जो काम आरंभ करें पहले उसमें आने वाली वाधाओं पर विचार करें। ताकि सब काम सरलता से पूरे हों। वह पूजन हो या जीवन की कोई भी विधा यदि आसपास विघ्नसंतोषी तत्व हैं तो वे जीना कठिन कर देते हैं। इसलिये जीवन की प्रत्येक विधा में वाधाओं पर प्रथम विचार आवश्यक है।

अब उनके जन्म की कथा समझें। उनके जन्म की कथा सामान्य नहीं है। उनके जन्म की कथा से गणनायक बनने तक प्रत्येक घटना व्यक्तित्व निर्माण, समाज सशक्तीकरण और कुटुम्ब समन्वय का अद्भुत संदेश है । गणपति जी के जन्म और उनके स्वरूप को लेकर कथा है कि गणेशजी ने भगवान शिव को द्वार पर रोका और शिवजी ने उनका सिरच्छेद कर दिया। माता पार्वती के विलाप करने के बाद एक हथिनी के बच्चे का शीश लाकर पुनर्जीवित किया । इसलिए उनका स्वरूप ऐसा बना। भगवान शिव देवाधिदेव हैं। त्रिकालदर्शी हैं। क्या वे नहीं जान सकते थे कि यह बालक कौन है? किसके आदेश से द्वार पर है और फिर भला सृष्टि में कौन सा द्वार है, जो शिवजी को रोक सकता है ? यदि भगवान शिव ने सिरच्छेद कर भी दिया तो वे पल भर में नया शीश सृजित कर सकते थे। फिर भी लीला की। तो यह लीला करके वे समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं। बालक के पुनर्जीवन के लिये ऐसे माता-पुत्र खोजे गये जो एक दूसरे की ओर पीठ किये हुये हैं। पुत्र की पीठ माता की ओर और माता की पीठ पुत्र की ओर। इस कथा में लोक कल्याण और लोक संचालन के अनेक संदेश हैं। सबसे पहला संदेश उन द्वारपालों के लिये है जो द्वार पर अपनी बुद्धि विवेक का प्रयोग नहीं करते । द्वारपाल को यह बुद्धि अवश्य लगानी चाहिए कि आगंतुक कौन है और उसके साथ क्या व्यवहार करना चाहिए। आगन्तुक को परखकर उसके अनुरूप व्यवहार करना चाहिए। आधुनिक संदर्भ में तो यह विवेकशीलता अति आवश्यक हो गई है । दूसरा संदेश माता और पुत्र के लिये है । कथा में जिस हथिनी के बच्चे का शीश काटकर लाया गया वह अपनी मां से विमुख होकर सो रहा था और माता की पीठ भी बच्चे की ओर थी । अर्थात दोनों एक दूसरे के विपरीत। वैदिक काल से लेकर आधुनिक विज्ञान के निष्कर्ष तक यह स्पष्ट हो चुका है कि व्यक्तित्व का निर्माण माता करती है। न केवल शरीर की पुष्टता और विकास अपितु शिक्षा और संस्कार भी माता से मिलते हैं। संसार में माता के सांचे में ढले बच्चे ही आसमान की ऊंचाई छूते है। भला उस बच्चे का भविष्य कैसे सुरक्षित रह सकेगा, जो माता से विपरीत दिशा में बढ़ रहा है और माता ने भी उसकी ओर से मुंह फेर लिया है। यह कथा इन दोनों प्रकार की मानसिकता को चेतावनी है। जो माताएं पुत्र पर ध्यान नहीं देतीं उनको भी और जो पुत्र माता का सम्मान नहीं करते उनको भी। माता और पुत्र यदि एक दूसरे के विमुख हैं, विपरीत हैं तो पुत्र का क्षय होना निश्चित है।

गणेशजी के अंगों का विश्लेषण

गणेशजी गणनायक हैं। नायक अर्थात मुखिया, नेतृत्व करने वाला। जब भी किसी वस्तु को बहुत ध्यान से देखते हैं या एकाग्रता से देखते हैं तब हमारी आंखें सिकुड़ती हैं। यदि आंखे फैलाकर देखेंगे तो वस्तु का आकार थोड़ा धुंधला सा दीखता है । गणपति जी आंखे छोटी हैं। अर्थात नेतृत्वकर्ता को हर वस्तु हर बात, और हर घटना को एकाग्रता से समझनी चाहिए। एकदम पैनी नजर से । यह संदेश आंखों के छोटी होने का है । गणेश जी सूंड अर्थात नाक लंबी है । नेतृत्वकर्ता की सूंघने की शक्ति तीक्ष्ण होनी चाहिए। अपने परिवार में,समाज में या राष्ट्र में कहां क्या कुछ घट रहा, यह सब नेतृत्वकर्ता को दूर से ही सूंघ लेना चाहिए। गणेश जी के कान लंबे हैं। यनि नेतृत्वकर्ता का सूचना तंत्र तगड़ा हो और हर बात को सुनने क क्षमता होनी चाहिए। उनका पेट बड़ा है अर्थात जो भी अधिक से अधिक बात सुनी है उसे अपने पेट में डाल लेनी चाहिए। पचाने की क्षमता होनी चाहिए। ऐसा न हो कि इधर सुना और उधर सुनाया। एक सफल नेतृत्वकर्ता वही जो अपने प्रभाव सीमा की ही घटना हर व्यक्ति पर पैनी नजर रखे। कहां क्या घट रहा उसे सूंघ ले, हर बात को सुने और अपने भीतर छिपा कर रखे। माथा चौड़ा यनी उसकी छवि प्रभावकारी होनी चाहिए। उनका वाहन चूहा है। चूहा छोटे से छोटे रास्ते पर चल सकता है । पत्थरों के बीच भी मार्ग बना सकता है। अर्थात नेतृत्वकर्ता का वह तंत्र जिसके माध्यम से वह अपना प्रशासन चला रहा है, वह इतना सक्षम होना चाहिए कि वह नये मार्ग बना सके कठिन से कठिन रास्तों को भी आसान बना सकें। गणपति जी शिव परिवार के समन्वयक हैं। शिव परिवार विविधता से भरा है। शिवजी का वाहन नंदी है । नंदी अर्थात बैल । और देवी पार्वती का वाहन सिंह। सिंह का आहार होता है बैल । कुमार कार्तिकेय के वाहन मयूर, जिनका आहार नाग है । भगवान शिव का शृंगार हैं नागदेव । गणेश जी का वाहन मूषक। शिवजी सिंह चर्म पर समाधि लगाते हैं। मूषकराज का वश चले तो आसन कुतर दें। फिर भी इस परिवार में टकराहट का कोई प्रसंग किसी कथा में नहीं मिलता । शिव परिवार में यह अद्भुत समन्वय गणपति जी के कारण है । वे इससे यह संदेश मिलता है कि जो समन्वयक हैं, नेतृत्वकर्ता हैं उनमें क्षमता होनी चाहिए कि वे विषम और विपरीत स्वभाव वाले लोगों के बीच भी समन्वय कर सकें। जिससे परिवार, समाज या देश के आदर्श स्वरूप में निखार हो। नायक या नेतृत्वकर्ता की शैली, व्यक्तित्व और व्यवहार कैसा हो यह भी गणेशजी के माध्यम से समझाया गया है । गणेशजी को लड्डुओं का भोग लगाया जाता है । लड्डू में बनाने में बहुत श्रम, साधन और समय लगता है । पहले दूध से मावा बने फिर लड्डू बनें अथवा पहले चने की दाल से बेसन बने, बेसन की बूंदी बने, उसमें शक्कर या गुड़ डालकर लड्डू बनाये जाते हैं। लड्डू खाने में जितने स्वादिष्ठ होते हैं उन्हें बनाने में उतना ही श्रम और समय लगता है । लड्डू कितना नाजुक है कि यदि वह नीचे गिर जाये तो बिखर जाता है । बेसन का एक एक कण मिलकर बूंदी बनती है फिर बूंदी को संगठित करके लड्डू। अर्थात एक एक व्यक्ति को जोड़कर युग्म बनाना। नेतृत्वकर्ता को वही प्रिय जो समाज और समूह संगठित रहता है परस्पर जुड़कर चलने का प्रयत्न करता है । जैसे लड्डू में बूंदी या बेसन के कण-कण परस्पर संगठित रहने का प्रयत्न करते हैं। लड्डू जितना पुराना होता है उतना कठोर बनता है । अर्थात समय के साथ परिवार और समाज संगठन का स्वरूप सघन होते रहना चाहिए। जो लोग इस मन मानस के होते हैं वे सदैव संगठित रहते हैं बिल्कुल लड्डू की भांति और संगठन भाव के प्रति ऐसे सकारात्मक व्यवहार के लोग ही नेतृत्वकर्ता को पसंद होते हैं बिल्कुल गणेश जी भांति। चूंकि विकास और समृद्धि के लिये संगठन का यह भाव रखने वाले समूह से और इस भाव को पसंद करने वाले नेतृत्वकताओं से ही संभव होता है ।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

गणेश चतुर्थी पर इस मुहूर्त में करें गणपति की स्थापना

आज यानी की 27 अगस्त 2025 को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व पूरे भारत में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश के विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है और घरों में उनकी स्थापना की जाती है। माना जाता है कि बप्पा को घर में विराजित करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और शुभता का वास होता है। इस मौके पर शुभ मुहूर्त में गणपति बप्पा की स्थापना करना शुभ फलदायी माना जाता है। तो आइए जानते हैं गणेश चतुर्थी कि तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

इस साल भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरूआत 26 अगस्त 2025 की दोपहर 01:54 मिनट पर होगी। वहीं आज

यानी की 27 अगस्त को दोपहर 03:44 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। उदयातिथि के हिसाब से 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा। इस मौके पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना के लिए 27 अगस्त की सुबह 11:05 मिनट से लेकर दोपहर 01:40 मिनट तक शुभ मुहूर्त है। ऐसे में आप इस अवधि में गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित कर सकते हैं।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने पूजा स्थल को साफ करें। फिर ईशान कोण में एक पूजा की चौकी लगाएं और उस पर पीले या लाल रंग का कपड़ा बिछाएं। फिर चौकी पर भगवान गणेश की प्रतिमा का स्थापित करें और उनकी विधिविधान से पूजा-अर्चना करें। इसके बाद गणपति को धूप-दीप, फल-फूल और दूर्वा आदि अर्पित करें। रोजाना भगवान गणपति की पूजा और आरती करें और भोग लगाएं।

महत्व

गणेश चतुर्थी सिर्फ एक पर्व नहीं बल्कि श्रद्धा, भक्ति, आस्था और शुभता का प्रतीक है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से जातक के जीवन में आने वाली सभी विघ्न दूर होते हैं। वहीं व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है और सभी कार्यों में सफलता मिलती है।

टिप्स

मच्छर भगाने के लिए इन तरीकों से करें नीम का इस्तेमाल

मानसून का सीजन आते ही घरों में मच्छरों की संख्या बढ़ने लगती है। मच्छरों से न सिर्फ खुजली और परेशानी होती है, बल्कि मलेरिया, डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। आमतौर पर लोग घरों से मच्छरों को भगाने के लिए कॉइल या लिक्विड का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इनमें केमिकल भी मिला होता है, जोकि आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में आप मच्छरों को भगाने के लिए प्राकृतिक तरीके आजमा सकते हैं। पुराने जमाने में लोग मच्छरों को भगाने के लिए नीम की पत्ती का धुआं करते थे, जिनको धुएं से दिक्कत होने लग जाती है। तो वह अन्य तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको नीम को इस्तेमाल करने के अन्य तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि मच्छरों से छुटकारा दिलाने में मदद करेंगे

नीम की पत्तियों का स्प्रे : नीम की पत्तियों का स्प्रे मच्छरों से निजात पाने का सबसे आसान तरीका है। कुछ नीम की पत्तियों को लेकर इनको पाने में अच्छे से उबाल लें। जब पानी का रंग बदल जाए और पत्तियां मुलायम हो जाएं, तो पानी को ठंडा करने के बाद छान लें। इस घोल को स्प्रे बोतल में भरकर घर के कोनों, पर्दों और उन जगहों पर स्प्रे करें, जहां मच्छर अधिक दिखते हैं। इससे मच्छर भाग जाएंगे।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

मूंग व मसूर दाल का मूर्ति आकर्षण का केंद्र रहेगा

स्वतंत्रता के समय समाज को एकजुट करने और ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक राजनीतिक मंच के रूप में की थी प्रयोग

अमित राज सिंह

साहिबगंजःशहर में गणेश चतुर्थी गणेश पूजा की तैयारी पूजा समिति की ओर से जोर शोर से संपन्न हो गई।प्रथम पूजनीय भगवान गणेश की पूजा 27 अगस्त जिला सहित पूरे देश में धूमधाम से मनाई जा रही है।वही गणेश पूजा को लेकर पोखरिया काली मंदिर स्थान में पूजा समिति के कार्यकताओं के द्वारा सन 1998 वर्ष से प्रत्येक वर्ष गणेश जी की मूर्ति का अलग-अलग सामग्री से मूर्ति का निर्माण करते आ रहे हैं।जो इस वर्ष मूंग दाल मसूर दाल का भाव मूर्ति बनाया गया।जबकि सकरूगढ़ बड़ी गणेश पूजा समिति की ओर से भव्य पंडाल और प्रतिमा का निर्माण कराया गया है।वही पोखरिया स्थित गणेश पूजा समिति हर साल की तरह इस साल भी आकर्षक प्रतिमा का निर्माण हो चुका है।शहर के गुल्ली भट्टा पांच मोड सिद्धि विनायक संघ,रसूलपुर दहला गणेश पूजा समिति, गुल्ली भट्टा जदद्दू मोड़,सब्जी मंडी, बंगाली टोला तिलकधारी कुआं समीप, गोराबाड़ी हटिया,शहीद चौक बनपर टोला सहित अन्य जगहों पर प्रथम पूजनीय भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करके पूजन किया जाता है। शहर में दो ओर तीन दिवसीय गणेश पूजा का आयोजन पूजा समिति की ओर से किया जाता है।पूजा और मेला की तैयारी में समिति सदस्य जुटे हुए हैं।वहीं दूसरी ओर गणेश उत्सव भगवान गणेश के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।जो हिंदुओं के प्रथम पूज्य देवता हैं।यह त्योहार बाधाओं को दूर करने वाले और ज्ञान वसमृद्धि के देवता गणेश को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त,भारतीय स्वतंत्रता के समय,बाल गंगाधर तिलक ने इसे समाज को एकजुट करने और ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक राजनीतिक मंच के रूप में प्रयोग किया था।धार्मिक कारण भगवान गणेश का जन्म पौराणिक कथाओं के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को भगवान गणेश का जन्म हुआ था।इसलिए इस दिन को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है।बाधाओं को दूर करना गणेश जी को 'विघ्नहर्ता' के रूप में जाना जाता है।जिसका अर्थ है कि वे जीवन से सभी बाधाओं को दूर करते हैं।ज्ञान और समृद्धि के देवता गणेश को ज्ञान,बुद्धि और समृद्धि के देवता के रूप में भी पूजा जाता है,और भक्त उनसे सौभाग्य और सफलता के लिए आशीर्वाद मांगते हैं।ऐतिहासिक और सामाजिक कारण सामाजिक एकता और राष्ट्रवाद 19वीं सदी के अंत में,लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने इसे ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक सार्वजनिक त्योहार और भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के एक साधन के रूप में लोकप्रिय बनाया सार्वजनिक भागीदारी सार्वजनिक रूप से गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं।जिससे लोगों को एक साथ आने त्योहार मनाने और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है।त्योहार का आयोजन गणेश चतुर्थी से उत्सव शुरू होता है।और दस दिनों तक चलता है।जिसका समापन अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमा के विसर्जन के साथ होता है।इस दौरान भक्त भगवान गणेश की पूजा करते हैं।प्रसाद चढ़ाते हैं और भजन-कीर्तन करते हैं।हालांकि जिला पुलिस प्रशासन की टेंट प्रत्येक पूजा पंडाल में भी किया गया है की किसी भी और सामाजिक तत्वों के लोगों के द्वारा हुड़दंग मचाने पर उसके साथ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी यह शांति समिति के बैठक में एसडीओ के द्वारा प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम में बताया गया है।

कृषि उद्यमी प्रशिक्ष I कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंजःभारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 13 दिवसीय कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आसेर्टी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक,अतिथि फैकल्टी निकेश कुमार और आसेर्टी प्रशिक्षक राजहंस कुमार,उपेन्द्र गोप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से से आए 30 प्रशिक्षकों ने भाग लिया । आरसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक ने कहा यह प्रशिक्षण प्राप्त आप स्वयं को आत्म निर्भर बना सकते है।उन्होंने कहा की भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा अनेकों प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कोई भी प्रशिक्षण लेकर स्वयं का रोजगार शुरू किया जा सकता है।श्री झा ने कहा की प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव के बेरोजगार युवक युवतियों को प्रशिक्षित कर उनको मुख्य धारा से रोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण देना है।मौके पर आरसेटी के सहायक रंजीत कुमार ठाकुर,आकाश कुमार एवं तौफीक आलम,सुरेन्द्र मुर्मू,नीरज कुमार शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

अंधेरे में रहने को मजबूर मसना ग्राम के ग्रामीण आवेदन के बाद भी विभाग मौन

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाःउधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मसना गाँव के ग्रामीण बीते लगभग 15 दिनों से ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण अंधेरे में जीवन बसर करने को मजबूर है।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बीते कई दिनों पूर्व ही विजली विभाग के अभियंता को आवेदन देकर समस्याओं से अवगत कराते हुए जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर लगवाने की गुहार लगाई गई,परन्तु कोई झांकने तक नहीं आया,विजली विभाग का ये रवैया चिंताजनक और निंदनीय है,वहीं ग्रामीणों के अनुसार मामले को लेकर राजमहल विधानसभा विधा यक को भी संज्ञान में दिया गया जिसके बाद विधायक एमटी राजा ने सम्बंधित विजली विभाग के पदाधिकारियों को समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने के निर्देश भी दिए बावजूद इसके अभी तक विजली विभाग के पदधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही न करना विभाग की लापरवाही को प्रदर्शित करता है।अब लोग जाए तो जाए कहाँ,मौसम का बदलते मिजाज और गर्मी से बच्चे बूढ़े जवान सभी परेशान,न बच्चे पढाई कर पा रहे है और न लोग चैन से सो पा रहे है,बस बारी बारी से ग्रामीणों को रात में जागकर रखवाली करनी पड़ती है,ग्रामीणों का कहना है जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सड़क पर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

जहरीले सांप के काटने से महिला हो गई मूर्छित

साहिबगंज :मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला को जहरीले सांप के काटने से मूर्छित हो गई।मिली जानकारी के अनुसार लाल बथानी,रहमत टोला निवास मो।सकीम आलम की 32 वर्षीया पत्नी शहनाज बेगम सुबह 7 बजे खाना बनाने के लिए जलावन का लकड़ी गोहाल से निकालना गई।निकालने के दौरान किसी जहरीले सांप ने बाया हाथ के उंगली में काट लिया।जिससे वह मूर्छित हो गई।परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाय।जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उक्त महिला का इलाज किया।उक्त महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल में भर्ती कर चिकित्सकों के देखरेख में इलाज चल रहा है।

मंईयां सम्मान के लाभुकों ने विधायक प्रतिनिधि बरकत खान से लोगों ने लगाई गुहार

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड स्थित विधायक कक्ष में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के द्वारा आयोजित जनता दरबार के माध्यम से ग्रामीणों के विभिन्न समस्याओं निदान किया गया।वहीं मैया सम्मान योजना के जमीला बीबी अंबिया बीबी,समीना बीबी,गोलनूर बेबा,भारती रजवाड़,शिल्पी कुमारी,आदरी बगती,मंगली बगती,अशोकी मंडल एवं अन्य लाभुको जिसका भुगतान मिलते मिलते बंद हो गया है विधायक प्रतिनिधि से लगाई गुहार। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने उपस्थित सभी आगंतुकों से एक-एक कर सभी की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों से वातार्लाप किया।संबंधित अधिकारि ने मैया सम्मान लाभुको का स्टेटस चेक कर बताया की कुछ लाभुकों का

डीबीटी लिंक नहीं है और कुछ का राशन कार्ड के नाम में त्रुटि पाया गया।वैसे लाभुक जिसका डीबीटी लिंक नहीं है उन्हें डीबीटी लिंक करवाने को कहा गया।और वैसे लाभुक जिसका राशनकार्ड के नाम में त्रुटि वैसे लाभुक ऑनलाइन के माध्यम से अपना नाम सुधार करवा ले मैया सम्मान का पोर्टल बहुत जल्द ही खुलने वाला है उसके बाद उनकी मैया सम्मान की राशि पुनः चालू कर दी जाएगी।मौज दुलूमपुर के ग्रामीणों ने बिजली ट्रांसफार्मर सहित विद्युत खंबे लगाने की अपील की।सहायक विद्युत अभियंता सत्यम मरांडी से टेलिफोनिक वातार्लाप कर जल्द से जल्द विद्युत खंबे सहित ट्रांसफार्मर लगाने को कहा गया,जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का आश्वासन मिला।कुछ आगंतुक पहुंचे जमीन से संबंधित,अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास से संबंधित,वृद्धा पेंशन से संबंधित,बिजली बिल से संबंधित आदि समस्या लेकर पहुंचे।इस दौरान बरकत खान ने उपस्थित सभी आगंतुकों से एक-एक कर सभी की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों से वातार्लाप कर लोगों को आश्वासन दिया कि आप लोगों की शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।लोगों की समस्याओं का जल्द समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,वरिष्ठ कांग्रेसी मो नसीरुद्दीन,सोशल मीडिया चेयरमैन नेहाल अख्तर,शमशेर अली अजमल महबूब आलम,जाकिर,मजीबूर,सहित क्षेत्र से आए ग्रामीण मौजूद थे।

शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंजःआमजन की सुनवाई में कोई पदाधिकारी कोताही न बरतें समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी

समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। उपायुक्त ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया। संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित एवं असंबंधित रहे।जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त महोदय ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया।

वाणिज्यिक वाहनों से प्रवेश शुल्क के नाम पर वसूली बंद हो : राजेश

साहिबगंजःईस्टर्न झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के लगातार प्रयास से साहिबगंज शहर में वाणिज्यिक वाहनों से प्रवेश शुल्क के नाम पर झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी जो नाजायज वसूली साहिबगंज नगर परिषद से लगातार हो रही थी उसपर नगर विकास एवं आवास विभाग के अवर सचिव अतुल कुमार ने रोक लगा दिया है।चेबर को भी कार्यपालक पदाधिकारी को भेजी गई चिट्ठी की कॉपी भेजी गई है।इसपर चेंबर जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने लोगों से पैसे नहीं देने की अपील की है।उन्होंने बताया कि गोपालपुल तलबन्ना के पास नगर परिषद नाजायज टेंडर देकर लगातार वाणिज्यिक वाहनों से वसूली की जा रही है जिसको बंद करने की आवश्यकता है।

बड़कागांव के आंदोलन की धमक पहुंची दिल्ली

संवाददाता

हजारीबागः बड़कागांव इन दोनों आंदोलन के कारण पूरे राज्य में सुर्खियों में है। स्थिति यह बन गई है कि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने एनटीपीसी के वरीय पदाधिकारी और उससे जुड़े केंद्रीय मंत्री से भी मुलाकात कर समस्या का समाधान करने की बात की है। दूसरी ओर कट ऑफ डेट बदलने की मांग को लेकर 10 जून से ही युवा विस्थापित संघर्ष मोर्चा अनिश्चितकालीन धरने पर है। हजारीबाग का बड़कागांव कोल उत्खनन के लिए पूरे देश भर में जाना जाता है। एनटीपीसी कोल उत्खनन कर देश के कई राज्यों को बिजली उत्पन्न करने के लिए कोयला उपलब्ध करा रही है। यहां मुआवजा और कट ऑफ डेट को लेकर युवा संघर्ष भी कर रहे हैं। 'युवा विस्थापित संघर्ष मोर्चा' के नेतृत्व में कट ऑफ डेट (विस्थापन तिथि) को आगे बढ़ाने, विस्थापन की राशि वर्तमान दरों से देने और विस्थापित युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांगों को लेकर कई महीनों से आंदोलन किया जा रह है। यह आंदोलन 10 जून 2025 से अनिश्चितकालीन धरने के रूप में शुरू हुआ था जो अब तक जारी है। विस्थापितों का कहना है कि 2016 की कट ऑफ डेट मान्य नहीं है। जिस दिन से उनके गांव को विस्थापित किया गया है, उसी दिन को कट ऑफ डेट माना जाए। विस्थापितों की मांग है कि 18 वर्ष से ऊपर के सभी युवाओं को एकल परिवार माना जाए। विस्थापितों की मांग है कि उन्हें मिलने वाली एकमुश्त मुआवजे की राशि वर्तमान दरों के अनुसार दी जाए। विस्थापित होने वाले युवक-युवतियों को परियोजना में नौकरी में प्राथमिकता दी जाए। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने मानसून सत्र के दौरान दिल्ली में एनटीपीसी के वरीय पदाधिकारी और संबंधी केंद्रीय मंत्री से भी मुलाकात कर स्थिति से अवगत कराया है।

रिम्स-2 को हजारीबाग में स्थापित करने की उठी मांग सांसद मनीष जायसवाल ने सीएम हेमंत सोरेन को लिखा पत्र

संवाददाता

हजारीबागः सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड में प्रस्तावित रिम्स-2 को हजारीबाग में स्थापित करने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। सांसद मनीष जायसवाल ने पत्र में तर्क दिया है कि रांची की तुलना में हजारीबाग इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए अधिक उपयुक्त स्थान है। रिम्स-2 की स्थापना हजारीबाग में होने से उत्तर-पूर्वी झारखंड की आधी आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी।

हजारीबाग में पर्याप्त मात्रा में सरकारी भूमि (जीएम लैंड) उपलब्ध है, जिससे इस परियोजना को तेजी से और बिना किसी विवाद के पूरा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि रांची में भूमि विवादों के

कारण परियोजनाओं में अक्सर देरी होती है। हजारीबाग में रिम्स-2 की स्थापना से रांची स्थित रिम्स पर मरीजों का दबाव कम होगा और मरीजों को लंबी यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। सांसद मनीष जायसवाल ने अपने पत्र में बताया कि वर्तमान में रांची स्थित रिम्स पर अत्यधिक मरीजों का भार है, जिसका एक बड़ा कारण हजारीबाग और इसके आसपास के सुदूरवर्ती जिले और प्रमंडलों से आने वाले मरीज हैं। हजारीबाग न केवल उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का मुख्यालय है, बल्कि इसकी भौगोलिक स्थिति भी इसे एक केंद्र बनाती है। यह कोडरमा, चतरा, रामगढ़, बोकारो और गिरिडीह जैसे जिलों से सीधा जुड़ा हुआ है। इसके अलावा बिहार की सीमा से सटे होने के कारण पड़ोसी राज्यों के मरीजों को भी यहां से चिकित्सा सुविधाएं मिल सकती हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने पत्र के जरिए सीएम हेमंत सोरेन को यह सुझाव भी दिया कि भविष्य में झारखंड के सभी प्रमंडल मुख्यालय में एक रिम्स की स्थापना होनी चाहिए ताकि राज्य के हर कोने तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच सकें।

महत्वपूर्ण और अचछी सड़कें होने से यहां की कनेक्टिविटी बेहतरीन है: सांसद

सांसद मनीष जायसवाल ने रिम्स-2 को हजारीबाग में स्थापित करने के लिए कई कारण बताए हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि हजारीबाग जिला मुख्यालय से राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-2 और एनएच-33 सहित कई महत्वपूर्ण सड़कें गुजरती हैं, जिससे यहां की कनेक्टिविटी बेहतरीन है। यह पलामू प्रमंडल के मरीजों के लिए भी सुविधाजनक होगा। हजारीबाग में रिम्स-2 की स्थापना से पूरे उत्तर-पूर्वी झारखंड के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह कदम झारखंड की लगभग आधी आबादी के स्वास्थ्य और कल्याण में एक बड़ा सुधार लाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करें।

कल्पना चावला की बायोपिक करना चाहती हैं कुब्रा सैत

● 'सन ऑफ सरदार 2' को मिली प्रतिक्रिया पर जताई खुशी

अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। अमर उजाला से बातचीत में कुब्रा ने अपनी फिल्मों के अनुभव, इंडस्ट्री में आए बदलाव और आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तार से चर्चा की।

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। फिल्म के क्लाइमेक्स सीन से जुड़ा किस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि क्लाइमेक्स सीन स्कॉटलैंड की ठंडी हवाओं में शूट हुआ था, जहां सबके दांत कांप रहे थे। लेकिन सेट पर हंसी और मस्ती का माहौल था। संजय मिश्रा और दीपक डोबरियाल के साथ मेरे सारे सीन्स बहुत मजेदार और एनर्जेटिक थे। हर दिन सेट पर कुछ न कुछ ऐसा हुआ जो हमेशा याद रहेगा।

जंगल, प्यार और खून-खराबा.. हॉरर लव स्टोरी थामा का टीजर रिलीज

प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स अपनी हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स के लिए जाना जाता है। स्त्री, स्त्री 2, और भेड़िया जैसी फिल्मों के बाद अब इस यूनिवर्स की अगली फिल्म थामा आ रही है, जिसका टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इसमें रोमांस के साथ-साथ हॉरर और एक्शन का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। टीजर की शुरुआत एक घने जंगल से होती है, जहां आयुष्मान और रश्मिका एक-दूसरे के साथ समय बिता रहे हैं। इस दौरान बैकग्राउंड से आवाज आती है, रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक? और इस पर एक्ट्रेस जवाब देती है, 100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं। इस डायलॉग के बाद कहानी भयानक मोड़ लेती है। आयुष्मान और रश्मिका की लव स्टोरी के बीच टीजर में डरावने और थ्रिल से भरपूर सीन आते हैं। जंगल में कुछ अजीब घटनाएं होती हैं।

आयुष्मान जानवरों और खतरनाक ताकतों से लड़ते नजर आते हैं। टीजर की लंबाई करीब 1 मिनट 49 सेकंड है और इसमें कई ऐसे सीन हैं, जिन्हें देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। इसमें मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी है। वहीं, वेब सीरीज पंचायत के प्रह्लाद चा यानी फैसल मलिक भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकार भी फिल्म में नजर आएंगे। टीजर के आखिर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो। इस झलक से स्पष्ट है कि फिल्म में रोमांस के साथ-साथ हॉरर, एक्शन, और थ्रिल का जबरदस्त तड़का है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है। इंस्टाग्राम पर फिल्म के टीजर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ना डर कभी इतना शक्तिशाली था, और ना प्यार कभी इतना खूनी।

यूपी टी20 लीग में आदर्श सिंह का धमाका कानपुर सुपरस्टार्स की 128 रन से बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली : यूपी टी20 लीग के 19वें मुकाबले में कानपुर सुपरस्टार्स ने काशी रुद्राज को करारी शिकस्त देते हुए 128 रन से बड़ी जीत दर्ज की। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में आदर्श सिंह की तूफानी शतक और शुभम मिश्रा की घातक गेंदबाजी ने पूरी बाजी पलट दी। शानदार शतक के लिए आदर्श सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। शुभम मिश्रा की घातक गेंदबाजी ने भी जीत में अहम भूमिका निभाई।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कानपुर सुपरस्टार्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने चौथे ओवर में पहला विकेट खो दिया और 10वें ओवर तक स्कोर सिर्फ 54/2 था। मुश्किल परिस्थितियों में आदर्श सिंह ने धैर्य दिखाया और फिर तूफानी अंदाज में गियर बदला। आदर्श ने 51 गेंदों पर शतक पूरा किया और अंत तक नाबाद रहते हुए 55 गेंदों पर 113 रन ठोके। उनकी पारी में 12 छक्के शामिल थे, जिनमें से 10 सिर्फ आखिरी 19 गेंदों में आए। उन्होंने 18वें ओवर में 23 रन, 19वें में 27 रन और अंतिम ओवर में 29 रन उड़ाए। आदर्श और फैज अहमद के बीच चौथे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी हुई, जिसमें फैज का योगदान सिर्फ 22 रन का था। कानपुर ने 20 ओवर में 198/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी काशी रुद्रास की पारी पूरी तरह बिखर गई। कप्तान करण शर्मा पहली ही गेंद पर छइह हो गए। इसके बाद अनकुर शर्मा ने दो विकेट झटके और टीम 7वें ओवर तक 27/4 पर सिमट गई। इसके बाद शुभम मिश्रा ने कहर बरपाया। उन्होंने सिर्फ 3 ओवर में 6 रन देकर 5 विकेट चटकाए। काशी रुद्राज 15 ओवर में 70 रन पर ऑल आउट हो गई।

ब्राजील अक्टूबर में खेलेगा दक्षिण कोरिया और जापान से दोस्ताना मुकाबले

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो : ब्राजीलियाई फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने मंगलवार को घोषणा की कि पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील अक्टूबर में दक्षिण कोरिया और जापान के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले खेलेगा। यह मैच 2026 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा होंगे। कार्यक्रम के अनुसार, ब्राजील 10 अक्टूबर को सियोल में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा, जबकि 14 अक्टूबर को टोक्यो में जापान से उसका सामना होगा। ब्राजील पहले ही 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है और अगले महीने अपने अंतिम दो क्वालिफायर में चिली और बोलिविया का सामना करेगा।

सीबीएफ के जनरल कोऑर्डिनेटर रोड्रिगो कैएटानो ने कहा कि ये दोस्ताना मुकाबले टीम को विभिन्न फुटबॉल शैलियों का अनुभव देंगे। उन्होंने बताया, ह्लदक्षिण कोरिया और जापान के बाद हमारा प्लान नवंबर में अफ्रीकी टीमों और मार्च तथा जून 2026 में यूरोप की शीर्ष टीमों से मुकाबला करने का है। विश्व कप से पहले अलग-अलग फुटबॉल शैलियों से मुकाबला करना हमारे लिए मूल्यवान अनुभव होगा। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी ने भी कहा कि इन मैचों से उन्हें खिलाड़ियों की क्षमताओं और व्यक्तित्व को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। 66 वर्षीय इटालियन कोच ने मई में रियल मैड्रिड के सफल कार्यकाल के बाद ब्राजील की कमान संभाली थी।

बोरुसिया डॉर्टमंड ने चेल्सी से चुक्वुएमेका के साथ किया करार

बर्लिन : जर्मन क्लब बोरुसिया डॉर्टमंड ने इंग्लिश मिडफील्डर कार्नी चुक्वुएमेका को इंग्लिश प्रीमियर लीग टीम चेल्सी से स्थायी करार पर साइन करने की पुष्टि कर दी है। क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 21 वर्षीय चुक्वुएमेका ने पिछले सीजन डॉर्टमंड के लिए छह महीने लोन पर खेला था, जिसमें उनके प्रदर्शन ने प्रभावित किया। अब उन्होंने डॉर्टमंड के साथ जून 2030 तक का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, डॉर्टमंड ने यह डील करीब 25 मिलियन यूरो (लगभग 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी की है, जो पिछले सर्दियों में तय शुरूआती विकल्प से कम है। डॉर्टमंड के स्पोर्टिंग डायरेक्टर सेबेस्टियन केली ने कहा, ह्लकार्नी एक असाधारण प्रतिभा है, जिसने पिछले सीजन के दूसरे हिस्से में हमारे लिए अपनी क्षमता के कई झलक दिखाई। वह तंग हालात में फर्क ला सकता है, मिडफील्ड में रचनात्मकता देता है और हमारे खेल में एक नया आयाम जोड़ता है। चुक्वुएमेका ने 2024/25 सीजन में डॉर्टमंड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 17 मैच खेले, जिसमें फीफा क्लब विश्व कप के चार मैच भी शामिल थे।

विस्टा विलेज के लिए मलयालम सीखना एक चुनौती थी: सनी लियोनी

एक्ट्रेस सनी लियोनी के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है। वो बहुत जल्द साउथ इंडियन सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। वो साउथ की पहली फिल्म करने जा रही हैं। इसका नाम होगा 'विस्टा विलेज'। इस फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा, क्या चुनौतियां सामने आईं, इस बारे में सनी लियोनी ने बात की है। सनी ने कहा, विस्टा विलेज में काम करना मेरे लिए एक बहुत ही खास अनुभव रहा है। मलयालम सीखना निश्चित रूप से एक चुनौती थी, लेकिन साथ ही बहुत फायदेमंद भी रही और इसने मुझे अपने किरदार से जुड़ने में मदद की। कासरगोड के खूबसूरत, दुर्गम इलाकों में शूटिंग करना वाकई यादगार रहा और मुझे केरल में हमेशा बहुत प्यार मिला है। मैं इस फिल्म के लिए वाकई बहुत उत्साहित हूं, खासकर इसकी रिलीज को लेकर। यह फिल्म चार भाषाओं में रिलीज हो रही है और मैं बेसब्री से इसका इंतजार कर रही हूं। इस फिल्म को तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म की शूटिंग केरल के कासरगोड के सुदूर इलाकों में की गई है और इसमें मलयालम सिनेमा के लगभग 40 कलाकारों के साथ शूटिंग हुई है। उनके साथ-साथ बॉलीवुड, कश्मीर, पंजाब और अन्य क्षेत्रों के कलाकार भी इसमें हैं। इसकी स्टोरी पारिवारिक ड्रामा, कॉमेडी, सस्पेंस और युवाओं को ध्यान में रखकर लिखी गई है। विस्टा विलेज इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म में से एक है। सनी लियोनी की यह पहली दक्षिण भारतीय फिल्म है, जिसके लिए फैंस उत्साहित दिख रहे हैं। उनके फैंस उन्हें मूवी में नए अवतार में देखने के लिए बेकरार हैं। इस फिल्म को डब्लूएममूवीज प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसके निर्देशक पम्पल्ली हैं। हाल ही में इसके टाइटल लॉन्च की तस्वीरें सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शेयर की थीं। यह मूवी जल्द ही फ्लोर पर आएगी।

कुछ सितारे ऐसे होते हैं जिन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए रेड कार्पेट की चमक-दमक की ज़रूरत नहीं होती, पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना उन्हीं में से एक हैं। हाल ही में मुंबई की एक टैक्सी में नज़र आईं इस पैन-इंडिया अभिनेत्री ने एक आम-सी सवारी को भी सिनेमा जैसे ग्लैमर में बदल दिया।

राशि खन्ना ने मुंबई की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बना दिया एक सौंदर्यशास्त्र की क्लास

राशि खन्ना ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हर ब्लू बुरा नहीं होता, कुछ शहर के नज़ारे के साथ आते हैं। ब्लू कॉटेज-कोर आउटफिट में राशि की दमकती त्वचा और सहज सुंदरता ने एक अलग ही आकर्षण बिखेरा। उनके चेहरे के पास ढीले, सॉफ्ट कर्ल्स उनके लुक में एक मासूम, प्लेफुल टच जोड़ते हैं, वहीं सादगी और एलिगेंस का सही संतुलन भी रखते हैं। पीछे की ओर दिखती ब्लैक-एंड-येलो टैक्सी इस लुक को एक वास्तविक, शहरी एहसास देती है – जो साबित करती है कि फैशन जितना पहनावे से ज़्यादा नज़रिए से जुड़ा है। जो बात सबसे अलग नज़र आती है, वह है राशि का शहर की एनर्जी में खुद को पूरी तरह ढाल लेना, फिर भी हर निगाह खुद पर टिकाए रखना। यह एक ऐसा स्टाइल मोमेंट है जो विरोधाभासों का जश्न मनाता है – सड़कों की कठोर हकीकत और रोज़मर्रा की सुंदरता के बीच की दिलचस्प टक्कर, जो एस्पिरेशनल लेकिन रियल लगती है।

मैंने जासूसी फिल्में देखकर किरदारों के हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा: नीरू बाजवा

अभिनेत्री नीरू बाजवा जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'तेहरान' में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जासूसी फिल्मों ने इस किरदार के लिए उनकी बहुत मदद की। नीरू ने बताया कि किरदार के फिजिकल लैंग्वेज को समझने के लिए उन्होंने ढेरों जासूसी फिल्में देखीं। नीरू ने कहा, मैंने कोई खास रिहर्सल या एक्टिंग नहीं की थी। मैंने सिर्फ जासूसी फिल्में देखकर किरदारों की चाल-ढाल, हाव-भाव और शारीरिक भाषा को समझा। इस सहज तरीके से उन्हें सेट पर स्वाभाविक अभिनय करने में मदद मिली, जिससे उनके किरदार में और भी गहराई आई। नीरू ने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करते हुए कहा, जॉन बहुत विनम्र और सकारात्मक इंसान हैं। उन्होंने सेट पर सभी को सहज रखा, जिससे हमारा काम और भी बेहतर हुआ। उन्होंने जॉन के साथ अभिनय को एक शानदार अनुभव बताया और कहा, जॉन एक बेहतरीन को-एक्टर हैं। उनकी एनर्जी और जोश कमाल है। एक अच्छा को-एक्टर आपके अभिनय को निखारता है और तेहरान में जॉन ने ऐसा ही किया। नीरू ने फिल्म को चुनने की वजह साझा करते हुए कहा, मेरे किरदार की मजबूती और स्पष्टता ने मुझे आकर्षित किया। यह एक ऐसी महिला की कहानी है, जो मुश्किल हालात में भी सिद्धांतों पर अडिग रहती है। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हूं जो अपने विश्वासों के लिए डटकर खड़ी होती है। उन्होंने तेहरान को एक ऐसी फिल्म बताया जो न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती है। नीरू ने कहा, यह एक साहसी और बेबाक कहानी है, जिसका हिस्सा बनकर मुझे खुशी है। अरुण गोपालन द्वारा निर्देशित फिल्म तेहरान को मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। वहीं, इसमें जॉन अब्राहम, मानुषी छिल्लर, नीरू बाजवा, मधुरिमा तुली और अभिजीत लाहिरी जैसे स्टार्स शामिल हैं। फिल्म सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम हो रही है।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, फिर भी पहले सी मासूमियत बरकरार: श्रीदेवी विजयकुमार

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। बता दें, श्रीदेवी विजयकुमार ने बतौर बाल कलाकार अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, लेकिन प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे। उन्होंने बताया कि जब वे ईश्वर फिल्म कर रहे थे, तभी पूरी टीम को यह अहसास हो गया था कि प्रभास एक बहुत बड़े स्टार बनेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, हम सबको ईश्वर के समय ही पता चल गया था कि प्रभास एक सुपरस्टार बनेंगे। जब हम फिल्म की सक्सेस टूर पर गए थे, तब वहां पर बड़ी भीड़ जमा हो गई थी। प्रभास हमारी उम्मीद से भी बड़े स्टार बन गए हैं। अपनी वापसी और फिल्म सुंदरकांड के बारे में श्रीदेवी ने कहा, मुझे दोबारा फिल्मों में आकर बहुत खुशी हो रही है। हर एक्टर चाहता है कि उसे एक अच्छा किरदार मिले। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत सार्थक है। दर्शक के तौर पर मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई। इसका आउटपुट कमाल का है। यह ताजा और नया कंटेंट है। सुंदरकांड का निर्माण संतोष चिन्नापोल्ला, गौतम रेड्डी और राकेश महंकाली द्वारा संदीप पिक्चर पैलेस (एसपीपी) बैनर के तहत किया जा रहा है। यह फिल्म 27 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

-अगले 48 से 72 घंटे तक कई स्थानों पर तेज बारिश की चेतावनी

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नदी-नाले उफान पर हैं। ओडिशा तट से सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण राज्य में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, बीजापुर और सुकमा जिलों में अगले 48 से 72 घंटे तक कई स्थानों पर तेज से बहुत तेज बारिश हो सकती है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने का भी अंदेशा है। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर ने अगले तीन दिनों तक दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश का पूवार्नुमान जताया है। इसके अतिरिक्त उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में सामान्य बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ के साथ-साथ प्रदेश के उत्तरी जिलों सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर और जशपुर में मध्यम से भारी बारिश के आसार हैं। वहीं बिलासपुर, मुंगेली और कोरबा जिलों में भी कई जगहों पर अच्छी बारिश दर्ज हो सकती है। रायपुर, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद सहित दुर्ग, राजनांदगांव और कबीरधाम जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। हालांकि एक-दो स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। बाढ़ से बिगड़े हालातबस्तर संभाग में भारी बारिश से बाढ़ आ गई है। भारी बारिश के चलते चेरपाल नदी में आई बाढ़ की वजह से करीब 100 गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है। इसी बारिश में एनएच 30 की सड़क कट गई है। बाढ़ के कारण बस्तर जिले के मांदर गांव के 85 मकान जलमग्न हो गए। 15 लोगों को एसडीआरएफ की टीम ने नाव से बाहर निकला। वहीं 6 लोग गंभीर स्थिति में फंसे रहने के कारण उनका रेस्क्यू वायु सेना के हेलीकॉप्टर से किया गया। मांदर गांव में राहत शिविर केंद्र बनाया गया है। केशलूर में 15 से ज्यादा गाड़ियों में फंसे 50 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया। बाढ़ के कारण जगह-जगह सड़कें टूट गई हैं। जगदलपुर-दंतेवाड़ा मार्ग में बागमुंडी पनेडा के पास सड़क टूट गई है। इससे आवागमन में परेशानी हो रहा है। हालांकि प्रशासन की तरफ से वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात कही जा रही है। एनएच 30 की सड़क कटने से पिछले 24 घंटे से आवागमन बाधित है। बीजापुर जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात से झमाझम बारिश का दौर जारी है। इस वजह से पूरे जिले में जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मुख्यमंत्री ने ली जानकारीबस्तर में बाढ़ की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जापान से राजस्व सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले व बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा की और राहत एवं बचाव कार्य के संबंध में जानकारी ली है। उन्हें राजस्व सचिव ने बताया कि राहत और बचाव कार्य पूरी तत्परता से चल रहे हैं और अब तक 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

बाढ़ में बही कार, चार की मौत

बस्तर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग ने बताया कि सोमवार को छत्तीसगढ़ के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में एनएच 30 पर दरभा के पास एक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ जब परिवार की कार बाढ़ के पानी में बह गई।

अब तक 852 मिमी. बारिश दर्ज

इस सीजन में प्रदेश में अब तक 852 मिमी. बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से केवल 3 फीसदी कम है। सरगुजा जिले में 675 मिमी. के साथ औसत बारिश से 25 फीसदी कम, महासमुंद में 629 मिमी. (21 फीसदी कम), बेमेतरा में 408 मिमी. (49 फीसदी कम) बारिश दर्ज की गई है। राज्य के बलरामपुर में 71 प्रतिशत की अत्याधिक, बस्तर, मोहला-मानपुर और जांजगीर जिले में अधिक तथा अन्य जिलों में सामान्य वर्षा हुई है। सबसे ज्यादा बारिश बारसूर (190 मिमी), बास्तानार (160 मिमी), गीदम (140 मिमी), दरभा (120 मिमी), बड़े बचेली (110 मिमी) और कांकेर-लोहंडीगुड़ा (100 मिमी) में दर्ज की गई।

लगातार बारिश के कारण तवी, चिनाब, उझ, रावी और बसंतर सहित लगभग सभी जल निकाय खतरे के निशान से कई फीट ऊपर बह रहे

जम्मू : बुधवार को लगातार चौथे दिन बारिश जारी रहने के कारण निचले इलाकों से हजारों लोगों को निकाला गया, जिससे जम्मू-कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में तबाही मच गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में जम्मू क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में लगातार बारिश जारी रही और तवी, चिनाब, उझ, रावी और बसंतर सहित लगभग सभी जल निकाय खतरे के निशान से कई फीट ऊपर बह रहे हैं। कश्मीर घाटी में भी रात भर भारी बारिश हुई, जहाँ मुख्य झेलम नदी अनंतनाग जिले के संगम पर 21 फीट के बाढ़-चेतावनी निशान को पार कर गई और बुधवार सुबह श्रीनगर के राम मुंशी बाग में 18 फीट के बाढ़-चेतावनी निशान से केवल दो फीट नीचे थी। जम्मू-कश्मीर में निचले बाढ़ग्रस्त इलाकों, खासकर नदी के किनारे के इलाकों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में जलाशयों के उफान पर आने और अचानक आई बाढ़ के कारण कई प्रमुख पुलों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों सहित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान : बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी है। बीएलएफ ने कहा कि बलोचिस्तान के संसाधनों का दोहन करने में पाकिस्तान के साथ गठबंधन करने वाली किसी भी विदेशी शक्ति को परिणाम भुगतने होंगे। इसी के साथ बीएलएफ ने अपने आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय समर्थन की अपनी अपील को दोहराया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, यह चेतावनी बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलोच ने जारी एक बयान में दी। प्रवक्ता ने कहा कि बीएलएफ का आंदोलन ₹बलोच राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम₹ है। इस संघर्ष का एकमात्र मकसद पाकिस्तान से आत्मनिर्णय का अधिकार प्राप्त करना है। मेजर ग्वाहरम ने कहा कि बलोच स्वतंत्रता संग्राम 75 वर्ष से भी अधिक समय से चल रहा है। बयान में कहा गया है, ₹बलोच आतंकवादी नहीं हैं। वे स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपनी मातृभूमि, संसाधनों और राष्ट्रीय पहचान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बीएलएफ ने बलोचिस्तान की खनिज संपदा के खनन के संबंध में पाकिस्तान के साथ नए समझौते करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की कड़ी निंदा की। ग्वाहरम के अनुसार, वाशिंगटन का यह निर्णय ₹एक गंभीर अन्याय₹ है। बयान में अमेरिका की संलिप्तता की तुलना पाकिस्तान और चीन के बीच ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर हुए पहले के समझौतों से की गई। बीएलएफ ने बीजिंग पर बलोच स्वतंत्रता आंदोलन को आतंकवाद बताकर अपनी ₹औपनिवेशिक भूमिका₹ को छुपाने का आरोप लगाया। प्रवक्ता ने कहा, ₹बलोचिस्तान के संसाधनों की लूट में पाकिस्तान के साथ साझेदारी करने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई सफलता हासिल नहीं होगी। बीएलएफ ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को भी चेतावनी दी और दोनों देशों से बलोचिस्तान में निवेश से बचने का आग्रह किया। ग्वारम बलोच ने पाकिस्तान की सेना पर बलोचिस्तान में नागरिकों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया। समूह ने अपना रुख दोहराया कि बलोच मुक्ति आंदोलन पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं है। ग्वारम ने सीधे तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और चीन को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि बलोचिस्तान के संसाधनों का दोहन करने में पाकिस्तान के साथ गठबंधन करने वाली किसी भी विदेशी शक्ति को परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, ₹यह जापान नहीं है, आयरलैंड नहीं है, या कोई और क्षेत्र नहीं है। यह बलोचिस्तान है। विरोधियों के लिए इसका भूगोल कठोर है, लेकिन बलोचों का प्रतिरोध कहीं ज्यादा कठोर है। समूह के प्रवक्ता ने कहा कि बीएलएफ को पड़ोसी देशों और वैश्विक शक्तियों से वित्तीय, सैन्य और कूटनीतिक समर्थन की आवश्यकता है। बलोच ने यह भी कहा, ₹हमें अपना संघर्ष शुरू करने या खत्म करने के लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। बलोच राष्ट्र किसी भी कीमत पर अपने खनिजों, तेल, गैस और तटरेखा की रक्षा करेगा।

प्रयागराज:मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल, लूट के जेवरात बरामद

प्रयागराज : उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित फूलपुर थाना क्षेत्र के सरफानपुर गांव के पास बुधवार की भोर में हुई मुठभेड़ के दौरान मोटर साइकिल सवार बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि उसका एक साथी भागने में कामयाब हो गया। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। घायल बदमाश के कब्जे से लूट के लगभग एक किग्रा सफेद धातु के जेवरात बरामद हुए है। यह जानकारी बुधवार को पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने दी। उन्होंने बताया कि गोली से घायल बदमाश प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा थाना क्षेत्र में स्थित सरायलहर गांव निवासी रमेश रूप है। पुलिस टीम ने उसके कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक तमंचा और दो खोखा एवं एक कारतूस तथा एक बैग बरामद हुआ है। जिसमें सफेद धातु के लगभग एक किग्रा चांदी के जेवरात बरामद हुए है। पूछताछ के दौरान गोली से घायल बदमाश ने बताया? कि 24 अगस्त को फूलपुर थाना क्षेत्र में शिव शंकर सोनी से अपने दो साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। बरामद किए जेवरात शिवशंकर सोनी से लूटे गए है। इस संबंध में फूलपुर थाने में मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विधानसभा में आज गूंजेंगे सरकारी भर्तियों, सेवा विस्तार, एचआरटीसी घाटा, शिक्षा विभाग और महाधिवक्ताओं से जुड़े सवाल

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र की आठवीं बैठक बुधवार को कई अहम सवालों और चचाओं के इर्द-गिर्द रहेगी। आज के प्रश्नकाल में हाईकोर्ट में सरकार द्वारा नियुक्त महाधिवक्ता, अतिरिक्त, उप और सहायक महाधिवक्ताओं द्वारा मामलों की पैरवी और उन्हें दिए जाने वाले मानदेय पर सवाल उठेंगे। इसके अलावा सरकारी पदों पर हो रही भर्तियां, जलशक्ति विभाग के कर्मचारियों से जुड़ी समस्याएं, एपीएमसी में दुकानों के आबंटन में अनियमितता, सेब की खेती के हालात, एचआरटीसी द्वारा इलेक्ट्रिक बसों की खरीद और घाटे में चल रहे बस रूट भी सवालों के दायरे में रहेंगे। तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को सेवा विस्तार, बिजली के बढ़ते बिल, वोकेशनल शिक्षकों का नियमितीकरण और शिक्षा विभाग में खाली पड़े पदों को लेकर भी विपक्ष और पक्ष दोनों ही सरकार से जवाब तलब करेंगे। इसके साथ ही नियम 62 के तहत चम्बा जिला में भारी वर्षा से हुए नुकसान पर चम्बा के विधायक नीरज नैयर और चुराह के विधायक हंसराज सदन का ध्यान आकर्षित करेंगे। भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज और सुंदरनगर के विधायक राकेश जमवाल अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूलों को डिनोटिफाइ किए जाने का मुद्दा उठाएंगे। नियम 130 के तहत स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार और कांग्रेस विधायक इंद्रदत्त लखनपाल की चर्चा आज भी जारी रहेगी। वहीं, कांग्रेस विधायक केवल सिंह पठानिया प्रदेश में संसाधन जुटाने के लिए नई नीति बनाने का प्रस्ताव पेश करेंगे।

सराफा बाजार में चमका सोना, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज बुधवार को गणेश चतर्थी के दिन सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इसके विपरीत चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये से लेकर 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 93,900 रुपये से लेकर 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 1,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,02,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

बादल फटने से किश्तवाड़ में 10 घर बहे

किश्तवाड : किश्तवाड़ की वारवान घाटी के मार्गी इलाके में दो बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कम से कम 10 घर, 300 कनाल से ज्यादा फसलें, मवेशी और एक पुल बह गया, सूत्रों ने मंगलवार देर रात यह जानकारी दी। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 घरों में पानी घुस गया है, जिससे प्रभावित परिवारों को पास की पहाड़ियों पर तिरपाल के तंबुओं के नीचे शरण लेनी पड़ रही है। वारवान और मारवाह घाटियों में फोन कनेक्टिविटी लगभग ठप होने के कारण, स्थानीय लोग तत्काल बचाव और राहत सहायता की मांग करते हुए संकट संदेश भेजने में कामयाब रहे। यह सुदूर घाटी, जहाँ 50 गाँवों के लगभग 40,000 लोग रहते हैं, किश्तवाड़ ज़िला मुख्यालय से अभी भी कटा हुआ है। निवासी अधिकारियों से राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने का आग्रह कर रहे हैं।

2 लाख की मांग न पूरी होने पर नवविवाहिता को किया प्रताड़ित, पति सहित चार पर केस

महोबा : दहेज में अतिरिक्त 2 लाख और बाइक की मांग पूरी न होने पर ससुराल में नवविवाहिता को प्रताड़ित कर उसके साथ मारपीट करने और उसे नदी में फेंकने और जलाने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पति सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जनपद के चरखारी कस्बा के मुहाल रूपनगर निवासी आकांक्षा राज ने बताया कि उसका विवाह 6 मार्च 2025 को गाजियाबाद निवासी दीपक सिंह के साथ हुआ था । शादी में पिता ने 3 लाख रुपये नगद व दहेज के लिए 30 लाख और 3 लाख 50 हजार रुपये के सोने चांदी के आभूषण देकर उसे विदा किया था। बताया कि ससुराल रीजन दूसरी विदाई के बाद उसे गाजियाबाद ले गए जहां कुछ दिनों बाद सास सुनीता सिंह, पति दीपक सिंह, ननद नीतू सिंह, जेठ रोहित व देवर सौरभ ने दो लाख रुपये और बाइक की मांग की। मांग न पूरी होने पर यह लोग प्रताड़ित करने लगे। पिता ने अतिरिक्त दहेज देने में असमर्थता जताई तो पिता को जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़िता ने तहरीर में बताया कि 28 जुलाई को ननद ने उसे बोल पकड़कर फर्श पर गिरा दिया और मारपीट की और उसके साथ नदी में फेंकने व आज से जलाने की बात कही । वह सबसे मिन्नते करती रही लेकिन किसी को तरस नहीं आया। किसी तरह उसने फोन पर पिता को सूचना दी तब पिता ने 1090 पर सूचना दी और गाजियाबाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे अपनी अभिरक्षा में लिया, इसके बाद उसके चचेरे भाई के पहुंचने पर उसके सुपुर्द कर दिया। बुधवार को चरखारी प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है, आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गुरुग्राम: शौकीन हत्याकांड व फाजिलपुरिया पर फायरिंग के पांच आरोपी पुलिस मुठभेड़ में काबू

गुरुग्राम : गुरुग्राम पुलिस ने मुठभेड़ में पांच बदमाशों को काबू किया है। मंगलवार की आधी रात हुई मुठभेड़ में काबू किए गए आरोपियों पर शौकीन की हत्या और गुरुग्राम में सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग के आरोप हैं। जानकारी के अनुसार पटौदी रोड़ नजदीक वजीरपुर गुरुग्राम में मंगलवार की आधी रात समय करीब सवा बारह बजे अपराध शाखा सैक्टर-31, मानेसर, सेक्टर 43 गुरुग्राम व एसटीएफ गुरुग्राम की टीमों ने संयुक्त कार्यवाही की। इस दौरान रोहित शौकीन हत्याकांड में वांछित आरोपियों तथा सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग करने वाले आरोपियों सहित कुल पांच आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद काबू किया गया। इस मुठभेड़ में कुल काबू किए गए पांच आरोपियों में से चार आरोपियों को गोली लगी है। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक आरोपी गौतम को इस मुठभेड़ के सम्बन्ध में थाना सैक्टर-10 गुरुग्राम में दर्ज एक केस में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि इस मुठभेड़ में कुल 18 राउंड फायर हुए। पुलिस आरोपियों को अदालत में पेश करेगी ओर रिमांड पर लेगी, ताकि आरोपियों से उनके अपराधों में पूछताछ की जा सके।

सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, हथियार, ड्रग्स और वाहन चोर पकड़े गए

इंफाल : मणिपुर में सुरक्षा बलों ने लगातार अभियान तेज करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। बीते 24 घंटे में विभिन्न जिलों में हथियार बरामद हुए, उग्रवादी और वाहन चोर गिरफ्तार किए गए, साथ ही लाखों रुपये की कीमत की नशीली गोलियां भी जब्त की गईं। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि जिरिबाम जिले के जिरिबाम थाना क्षेत्र के रशीदपुर इलाके से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार व सैन्य सामग्री बरामद की। जब्त सामान में 7.62 एमएम एसएलआर, 5.56 एमएम इंसास राइफल, दो पिस्तौल, छह हैंड हेल्ड रेडियो सेट, एक चार्जर, दो मैगजीन, अलग-अलग कैलिबर की 41 राउंड गोलियां, एक पाउच और दो जोड़ी जंगल शू शामिल हैं। इससे पहले, इंफाल ईस्ट जिले के लामलाई थाना क्षेत्र के नपेट पल्लि से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के कैडर नोंगमैथम नाओचा मैतेई (26) को गिरफ्तार किया गया था। आरोपित इंफाल ईस्ट के याईंगांगपोकपी माखा लेइकाई का निवासी है। चुराचांदपुर जिले में एस मुन्नुआम इलाके से मन्नेइहोई बाईते (49) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 1200 डब्ल्यूवाई टैबलेट बरामद हुए, जिनकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है। इसी क्रम में वाहन अपराधों के खिलाफ पुलिस ने थौबल जिले के लिलोंग थाना क्षेत्र से दो वाहन चोरों को दबोचा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद असीकुर रहमान (25) और मोहम्मद यूमखैबाम मोशिल खान (23) के रूप में हुई है। उनकी गिरफ्तारी के दौरान एक आल्टो कार और मोबाइल फोन बरामद हुआ। मणिपुर पुलिस ने कहा कि हथियार, नशीले पदार्थ, उग्रवाद और वाहन अपराधों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

वोटर अधिकार यात्रा 11वें दिन दरभंगा से हुई शुरू

पटना : बिहार में मतदाता विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा चल रही है। बुधवार को यात्रा का 11वां दिन है। आज यात्रा दरभंगा जिले के जीवछघाट से शुरू हुई है। यात्रा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के कई नेता मौजूद हैं। इसी बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी वोटर अधिकार यात्रा में बौरार एनएच-57 मुजफ्फरपुर में शामिल होंगे। आज की वोटर अधिकार यात्रा दरभंग शहर के कठलबारी फ्लाई ओवर, बेलामोड़, बाघमोड़, पुराना बस स्टैंड, पीली मस्जिद कैदराबाद और शिव धारा चौक बाजार समिति होते हुए गायघाट प्रखंड में मुजफ्फरपुर जिला में प्रवेश करेगी। इसके बाद सीतामढ़ी पहुंचेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

गायक मुकेश के पुण्यतिथि पर बिहार के पूर्व डीजीपी ने दी श्रद्धांजलि

बिनय मिश्रा : फिल्म जगत के प्रख्यात गायक स्वर्गीय मुकेश चंद माथुर के पुण्यतिथि पर बिहार के पूर्व डीजीपी आलोक राज ने उनके गीत गाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी । फिल्म जगत में मील के पत्थर साबित होने वाले मुकेश चंद माथुर मुकेश को भला कौन भूला है।आज उनके पुण्यतिथि पर बिहार के पूर्व डीजीपी व वरीय आईपीएस अधिकारी आलोक राज ने उनके पुण्यतिथि पर उनका फिल्म आनंद का गीत ₹कहीं दूर जब दिन ढल जाए₹ गाकर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गौरतलब हो कि भारतीय पुलिस सेवा 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी आलोक राज भारत के नामचीन गायकों के गाने हूबहू गाकर किर्तिमान बनाया है श्री राज के स्वर में मां सरस्वती का वास है। ऐसे आईपीएस प्रेरणास्त्रोत हैं।

20 सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी ने डीआईजी से की शिष्टाचार भेंट

मेदिनीनगर : 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की उपाध्यक्ष विमला कुमारी ने आज पलामू के डीआईजी नौशाद आलम से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर डीआईजी से सुझाव प्राप्त किए और विशेष रूप से विधि-व्यवस्था तथा महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

निरसा विधायक ने विधानसभा में गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की समस्याओं को उठाया

संवाददाता : निरसा विधायक अरूप चटर्जी द्वारा झारखंड विधानसभा में गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की पुरानी समस्याओं को विधान सभा के पटल पर जोरदार तरीके से सवाल उठाया गया। इसके लिए मैं झारखंड प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष पूरे झारखंड प्रदेश के गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की ओर से धन्यवाद देना चाहता हूँ, कि आप 9000 से भी ज्यादा स्कूलों का आवाज बन कर विधान सभा में सबके सामने सवाल उठा कर विद्यालय बंद होने से बचाने का कार्य किए।

लेकिन वही शिक्षा विभाग के अफसरान अपने तरीके से गोल गोल जलेबी जैसा उलझा कर जवाब दिए। जो सवाल किया गया था उसका सन्तुष्ट पूर्ण जवाब नहीं मिला। जमीन संबंधी बाध्यता के बारे में कहा गया कि प्रक्रिया के अधीन है। मतलब, क्या कमिटी का गठन किया गया है? नया यू डायस से कोर्ड उपलब्ध कराने पर भी कोई संतुष्ट पूर्ण जवाब नहीं मिला।

फिर भी हम झारखंड प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन रांची के महासचिव मोजाहिदुल इस्लाम, कोषाध्यक्ष आलोक बिपिन टोप्पो, सह सचिव अमीन अंसारी, उपाध्यक्ष सच्चिदानंद प्रसाद, संगठन सचिव रणधीर कुमार कौशिक, सभी पदाधिकारी गण, विद्यालय संचालकगण सहित झारखंड के तमाम अन्य संगठन , एसोसिएशन निरसा विधायक अरूप चटर्जी जी को सवाल उठाने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापन करते हैं।

करम पूजा की तैयारी को लेकर हुई बैठक

रांची : केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में कार्यालय कांके रोड में करम पूजा तैयारी को लेकर बैठक आयोजित किया गया । बैठक का अध्यक्षता केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने किया ।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि करम पूजा आदिवासीयो का महत्वपूर्ण त्योहार है, जो प्राकृति से जुड़ा है, यह पूजा भादो एकादशी को होगी, अखड़ा में विधी - विधान से करमदेव को गाड़ा जायेगा, करम पूजा की कहानी पहान से ही सुने, हड़िया का सेवन प्रसाद के रूप में करे, अखड़ा में ढोल-नगाड़े एवं मांदर के साथ नृत्य करे और उत्साव को परंपरागत तरीके से मनाये, करमदेव की पूजा अनादि प्रार्थना के साथ शुरू करे, दिनांक - 3 - 9- 2025 को उपावस और रात्रि पूजा

4 - 9 - 2025 को परना और 5 - 9 - 2025 को विसर्जन किया जायेगा। जिला प्रशासन से निवेदन करते है कि शहर के सभी वार्ड के अखड़ा को साफ - सफाई करायी जाये, ताकि स्वच्छ वातावरण में करमदेव की पूजा अर्चना कर सके। इस बैठक में मुख्य रूप से शोभा तिर्की, सुनिता उरांव, संगीता गाड़ी, पिंकी उरांव, सती तिर्की, अनिता उरांव, बसंती कुजूर, कुईली उरांव, भानू उरांव, वृधी उरांव, पार्वती टोप्पो, सिटीआ उरांव, रीता खलखो, नीलम उरांव, नुरी तिर्की इत्यादि उपस्थित थे।

दो पक्षों में मारपीट, पांच लोग घायल, महिला की स्थिति नाजुक

दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर हमला करने का लगाया आरोप, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के सेलवार गांव में मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर लाठीबाजी और मारपीट हुई। इस घटना में एक पक्ष से तीन तो दूसरे पक्ष दो कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी को देर रात इलाज के लिए हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंटरगंज लाया गया। जहां एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर घायल महिला की नाजुक स्थिति को देखते हुए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। महिला की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।

घायलों की पहचान एक पक्ष से देवंती देवी पति तेजन भुइयां, डब्लू कुमार पिता तेजन भुइयां और आशीष कुमार पिता राजकुमार भुइयां के रूप में हुई है। जबकि दूसरे पक्ष से कुंदन कुमार (20 वर्ष) पिता अरुण यादव और नीतीश कुमार (25 वर्ष) पिता भूपेंद्र यादव शामिल है। जानकारी के अनुसार दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे पर मामूली विवाद में लाठी से पहले हमला करने का आरोप लगाया है।घायल कुंदन यादव ने बताया कि वह अपने घर में सोमवार की देर शाम बैठा हुआ था। तभी आशीष कुमार सहित एक अन्य लोग पहुंचे और नशे की हालत में गाली गलौज करने लगे। इसी दौरान मैंने गाली देने के लिए मना किया।तो उनलोगो ने हमला कर दिया। बीच बचाव में आए नीतीश कुमार और मनोज यादव आए। उनलोगो के साथ भी मारपीट की गई। जिससे मैं और नीतीश दोनों घायल हो गए। जबकि दूसरे पक्ष से आदित्य भारती ने बताया कि मेरा भतीजा और उसका एक दोस्त घर आ रहा था । तभी कुंदन यादव जातिसूचक गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा जिससे बीच बचाव में आई मेरे मां देवंती देवी और डब्लू कुमार भी आरोपियों ने मारा। जिससे देवंती देवी को गहरी चोट लगने के वजह से अचेत होकर जमीन पर गीर गई उनकी हालत चिंताजनक है।बता दें कि इस मारपीट की घटना में देवंती देवी के सिर पर चोट लगने के कारण उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।समाचार लिखे जाने तक हंटरगंज थाना में एक पक्ष आदित्य भुइयां के द्वारा आवेदन दिया गया था। आवेदन के के आधार पर पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

आदि कर्मयोगी अभियान को लेकर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में मंगलवार को जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने दीप प्रज्वलित कर आदि कर्म योगी अभियान को लेकर आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन किया. कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड के आदि कर्मयोगी प्रण लेते हैं कि राज्य के आदिवासी समुदाय के समग्र विकास हेतु पूर्ण निष्ठा,प्रतिबद्धता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे. इस दौरान उन्होंने सभी जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों,कर्मियों को शपथ दिलायी। उप विकास आयुक्त श्री सचान ने कहा कि 17 विभागों के अभिसरण से यह अभियान संचालित होगा।इस अभियान के तहत कम्युनिटी लीडर तैयार करना है ताकि ग्रामीण स्तर की समस्याओं को चिन्हित करते हुए उसे दूर किया जा सके।जिला,प्रखंड एवं ग्राम स्तर पर निगरानी टीम का गठन किया जायेगा।सभी विभाग आपस मे समन्वय बनाकर सुदूर ग्रामीण स्तर की समस्याओं को दूर करने का कार्य करेंगे।

अभियान का उद्देश्य 20 लाख से अधिक आदिवासी परिवर्तनकारी नेताओं (कर्मयोगी) का एक मजबूत कैडर तैयार करना है, जो जमीनी स्तर पर सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करेंगे।यह कार्यक्रम दोषपूर्ण कार्यान्वयन तंत्र को दुरुस्त करने हेतु प्रशासकीय प्रेरणा, नवाचार और समर्पण पर जोर देता है-मूल समस्या योजनाओं की कमी नहीं, बल्कि कार्यान्वयन में कमी बताई जाती है।यह अभियान ऐसे आदिवासी क्षेत्रों को लक्षित करता है, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन, और शासन सेवाओं की पहुंच में गहरी असमानताएं है-चुनौतियों का समाधान और सेवाओं का अतिम छोर तक वितरण सुनिश्चित करना इसका अभियान लक्ष्य है।

कार्यशाला में उपस्थित जिला कल्याण पदाधिकारी गौतम कुमार मोदी ने आदि कर्मयोगी अभियान₹ के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत रूप से बताया।डिस्ट्रिक्ट लेवल मास्टर ट्रेनर डीआरडीए के एकाउंट ऑफिसर पवन पांडेय सहित अन्य विभागों से मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पदाधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए.

थाना प्रभारी अवधेश कुमार के दो माह के कार्यकाल में लोगों के लिए सहज हुआ थाना में आना जाना

ज्योति पाठक

चक्रधरपुर के थाना प्रभारी सहपुलिस निरीक्षक अवधेश कुमार के पद स्थापना काल के दो माह पूर्ण हो गए। अवधेश कुमार ने पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी के रूप में 26 जून को अपना पदभार तत्कालीन पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन से ग्रहण किया था अपने पद स्थापना काल के दो माह में ही उन्होंने बेहतर विधि व्यवस्था और शांति व्यवस्था को कायम रखने के साथ-साथ बेहतर पुलिसिंग का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है चक्रधरपुर का हृदय स्थली माने जाने वाला पोर्टरखोली में आठ दिनों तक चलने वाले मेला में बेहतर विधि व्यवस्था और स्वयं मुस्तैदी के साथ पूरे मेले का सघन निरीक्षण और परिभ्रमण कर उन्होंने आम लोगों के बीच पुलिस की दमदार उपस्थिति दर्ज कराई यही नहीं उन्होंने भीड़भाड़ इलाके और क्षेत्र में स्वयं बेहतर विधि व्यवस्था भी कायम रखा थाना प्रभारी अवधेश कुमार इससे पूर्व मनोहरपुर में अंचल पुलिस निरीक्षक के रूप में पदस्थापित थे इसके अलावे हुए रामगढ़ जिला और खूंटी जिला में भी पदस्थापित रह चुके हैं अपने पदस्थापना कल के दौरान बेहतर कार्यों से इन जिलों में भी उनकी लोकप्रियता अभी भी बनी हुई है ऐसे पुलिस अधिकारी से विभाग के साथ-साथ जिला भी गौरवान्वित होता है।

कोलेबिरा विधायक ने विधानसभा में राशि दुरुपयोग का मामला उठाया

संवाददाता

सिमडेगा : कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने आज विधानसभा के सदन में बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील योजना से सम्बंधित राशि दुरूपयोग का मामला को उठाए हैं। विधायक ने सदन के माध्यम से जानकारी मांगी है कि क्या पूर्व में बांसजोर 143 सड़क में पण्डरीपानी के पास 100-100मीटर पुल एवं पुलिया का निर्माण कार्य किया गया था। जिसमें घटिया किस्म के सामग्री का उपयोग किया गया था।साथ ही साथ संवेदक द्वारा घटिया काम कर पैसे का दुरूपयोग किया गया था।अगर हां तो उक्त कार्य का मरम्मति कब तक किया जाएगा। जिस पर एन एच विभाग द्वारा जो जवाब दिया गया है दुर्भाग्य पूर्ण है।विधायक कोलेबिरा ने उसी प्रकार से तारांकित प्रश्न के माध्यम से जानकारी मांगी है कि क्या सरकार मनरेगा योजना से पीसीसी कार्य का निर्माण किया जा सकता है।और क्या सिमडेगा जिला में पीसीसी कार्य पर रोक लगाई गई है। जिसमें विभाग द्वारा एक पर स्वीकारात्मक और एक पर अस्वीकारात्मक सहमति जताई है। जबकि सिमडेगा जिला में मनरेगा से पीसीसी पर रोक लगाई गई थी। विधायक ने शुन्यकाल के जरिए कहा है कि इस साल के वारिश में टीटांगर प्रखण्ड अन्तर्गत भाड़ी वर्षा एवं बड़े-बड़े ओलावृष्टि के कारण फसलों का नुकसान हुआ है।जिसकी लिखित शिकायत भी किया हूं। किन्तु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसलिए मैं मांग करता हूं कि अविलम्ब पीड़ित लाभुक परिवार को इसका मुआवजा दिया जाए।

सिमडेगा व कोलेबिरा के विधायक आदिवासी जनता के भरोसे के गुनहगार : अमृत चिराग तिर्की

संवाददाता

सिमडेगा : विधानसभा के मानसून सत्र में आदिवासी अनुसूचित क्षेत्रों के संवैधानिक अधिकारों पर चर्चा न होने को लेकर भारत आदिवासी पार्टी ने सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा और कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोंगगाड़ी को सीधे कटघरे में खड़ा किया है।

पार्टी के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि जब आदिवासी जनता ने इन विधायकों को अपने अधिकारों की आवाज बनने के लिए चुना था, तब सदन में उनकी चुप्पी विश्वासघात से कम नहीं।

उन्होंने कहा,जब सरकार पाँचवीं अनुसूची और ढएरअ कानून की धज्जियाँ उड़ा रही है, तब सिमडेगा और कोलेबिरा के विधायक आखिर किसके दबाव में चुप हैं? क्या वे सत्ता का सुख भोगने के लिए चुने गए हैं, या अपने समाज की रक्षा के लिए?ह्व

अमृत चिराग तिर्की ने झारखंड सरकार की नई शराब नीति 2025 को आदिवासी समाज को बर्बाद करने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में शराब की दुकानें खोलने की योजना संविधान के अनुच्छेद 244(1), पाँचवीं अनुसूची और ढएरअ कानून 1996 की आत्मा के खिलाफ है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएनटी एक्ट की धज्जियाँ उड़ाकर जमीन की लूट जारी है, अनुच्छेद 243-उ का उल्लंघन करते हुए अनुसूचित क्षेत्रों में नगर परिषद और नगर निगम का संचालन हो रहा है, और भूमि बैंक कानून के जरिए आदिवासी भूमि कॉरपोरेट घरानों को सौंपने की साजिश रची जा रही है।

इन तमाम संवैधानिक हमलों पर भूषण बाड़ा और नमन बिक्सल कोंगगाड़ी दोनों मौन क्यों हैं? क्या उन्हें अपने आदिवासी बहुल क्षेत्रों के जल, जंगल और जमीन से कोई सरोकार नहीं? उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शराब नीति वापस नहीं ली, भूमि बैंक कानून निरस्त नहीं किया, सीएनटी जमीन की लूट बंद नहीं की और अनुसूचित क्षेत्रों में अवैध शहरीकरण खत्म नहीं किया, तो भारत आदिवासी पार्टी न केवल सरकार को, बल्कि अपने ही मौन जनप्रतिनिधियों को भी जनता के बीच जवाबदेह बनाएगी और सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन करेगी।

जनता दरबार में कई समस्याओं का हुआ समाधान

संवाददाता

देवघर : जिलावासियों के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित

सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता हीरा कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके। ज्ञात हो कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु प्रति सप्ताह मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को समाहरणालय में पूर्वाह्न 10:30 से 11:30 बजे जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है।

जनता दरबार में संबंधित विभाग के अधिकारी, कार्यपालक अभियंता व कर्मी आदि उपस्थित थे।

सर्पदंश से अधेड़ की मौत

चतरा : मंगलवार को एक तरफ जहां सुहागन महिलाएं अपने पति के दीघार्यु होने की कामना को लेकर हरितालिका तीज का व्रत कर रही हैं, वहीं हंटरगंज में सर्पदंश ने एक सुहागन का सिंदूर उजाड़ दिया। मामला थाना क्षेत्र के नावाडीह पंचायत अंतर्गत भोजपुर गांव का है। जहां सर्पदंश से एक अधेड़ की मौत हो गई है। मौत की खबर सुनकर घर में कोहराम मच गया परिजनों के चीख चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया है। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक की पहचान हंटरगंज थाना क्षेत्र के भोजपुर गांव निवासी 34 वर्षीय धर्मेंद्र भुइयां के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सोमवार देर शाम को धर्मेंद्र शौच करने के लिए घर से अंधेरे में निकला था इस दौरान उसके हाथ में एक विषैले सांप ने काट लिया। परिजनो ने उसे इलाज के लिए आनन फानन में हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने बेहतर ईलाज के लिए गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेफर कर दिया। गया ले जानें के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। धर्मेंद्र ने अपने पीछे तीन बच्चे छोड़ दिया है। जिनमें दो बेटे और एक बेटी हैं। मृतक की पत्नी मीना देवी और मां का रो–रोकर बुरा हाल था।मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

जागरुकता रथ रवाना

रांची : खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ रवाना किया गया। अपर समाहर्त्ता राम नारायण सिंह एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडेय ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर इस रथ को रवाना किया।